अम्बिकावाणी

www.ambikavani.com

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-24 अंक-122 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

रायपुर, रविवार 13 जुलाई , 2025

आज का विचार

जिन्दगी में कठिनाइयां आए तो उदास मत होना, बस यह याद रखना कि मुश्किल रोलअच्छे एक्टर को ही दिये जाते हैं।

बिहार में हुए कार हादसे में तीन की मौत,माइनर्स कॉलोनी में शोक का माहौल

इंग्लैंड 387 पर आउट, बुमराह ने लिए 5 विकेट, राहुल के अर्धशतक की बदौलत भारत ने बनाए 145 रन

पहला कॉलम

दिल्ली-एनसीआर में पूरे हफ्ते बारिश के आसार, उमस और जलभराव से जनजीवन प्रभावित

नई दिल्ली ,12 जुलाई (ए)। दिल्ली समेत पूरे एनसीआर में इस पूरे हफ्ते भी लगातार रुक-रुक कर होने वाली बारिश से लोगों का सामना होगा। इसके साथ-साथ कड़ी धूप भी निकलेगी, जिसके बाद उमस से लोगों को ज्यादा परेशानी होगी। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक मौसम विभाग ने फिलहाल किसी भी प्रकार की चेतावनी या अलर्ट जारी नहीं किया है, लेकिन लगातार हो रही बारिश ने आम लोगों की परेशानी बढ़ा दी है।

12 जुलाई से लेकर 17 जुलाई तक के मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक, हर दिन गरज-चमक के साथ बारिश या तेज बौछारों की संभावना जताई गई है। तापमान अधिकतम 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया है। हवा में नमी का स्तर भी काफी अधिक है, जो 60 प्रतिशत से लेकर 95 प्रतिशत तक रहेगा, जिससे क्षेत्र में तेज उमस महसूस की जाएगी।

अगले दो दिनों में अधिकतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे गर्मी और उमस काफी परेशान कर सकती है। बारिश की वजह से दिल्ली और एनसीआर के कई इलाकों में जलभराव की गंभीर समस्या सामने आ रही है।

कुछ अलग

खाटूश्यामजी में सरेआम गुंडागर्दी, सिर फूटे, महिलाएं चीखती रहीं, सामने आया घटना का वीडियो

सीकर/जयपुर ,12 जुलाई (ए)। राजस्थान का विश्व प्रसिद्ध धार्मिक स्थल खाटूश्यामजी एक बार फिर आस्था के बजाय अव्यवस्था और हिंसा को लेकर सुर्खियों में है। सीकर जिले के रींगस स्थित खाटूश्याम मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं और दुकानदारों के बीच हुई हिंसक झड़प का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में लोग एक-दूसरे पर बेरहमी से लाठी-डंडे बरसाते दिख रहे हैं, जिससे मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

वायरल हो रहे वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि किस तरह युवकों और दुकानदारों की भीड़ एक-दूसरे पर टूट पड़ी। इस दौरान महिलाएं चीखती-चिल्लाती रहीं, लेकिन मारपीट नहीं रुकी। भगदड़ जैसे माहौल के बीच जो भी सामने आया, उसे पीटा गया। इस हिंसक झड़प में कुछ लोगों के सिर फूटने और कई के घायल होने की खबर है।

दुकान किराए पर उपलब्ध

स्थानः ब्रह्म रोड, शिवगोपी होटल के सामने, अंबिकापुर

फ्लोरः पहला मंजिल (First Floor)

क्षेत्रफलः 800 वर्ग फुट

पार्किंग की सुविधा उपलब्ध

संपर्क करें - मो. 7415805463

खरी-खरी

पीएम मोदी ने 16वें रोजगार मेले में 51,000 युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र, बोले- युवा राष्ट्र निर्माण के सिपाही

नई दिल्ली ,12 जुलाई (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 16वें रोजगार मेले के तहत देशभर के 47 स्थानों पर आयोजित समारोह में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 51,000 से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर अपने संबोधन में पीएम मोदी ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण का सिपाही बताते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति बिना पर्ची, बिना खर्चे की पारदर्शी प्रक्रिया का हिस्सा है।

उन्होंने जोर दिया कि ये युवा 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करेंगे। रोजगार मेला केंद्र सरकार की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जो युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने और भर्ती प्रक्रिया को तेज करने पर केंद्रित है। इस पहल की शुरूआत 22 अक्टूबर 2022 से हुई थी, और अब तक 10 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं।

ये नव-नियुक्त युवा रेल मंत्रालय, गृह मंत्रालय, डाक विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय समावेशन और औद्योगिक विकास जैसे क्षेत्रों में अपनी सेवाएं देंगे। पीएम मोदी ने कहा, विभाग भले ही अलग हों, लेकिन आपका ध्येय एक है ड्ड राष्ट्र सेवा। आप रेलवे में दायित्व निभाएं, देश की सुरक्षा करें, डाक सेवाओं को गांव-गांव पहुंचाएं या स्वास्थ्य मिशन का हिस्सा बनें, आपका लक्ष्य विकसित भारत के निर्माण में योगदान देना है।

पीएम ने कहा कि अगले 20-25 वर्ष भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं और युवाओं को अपने करियर को विकसित भारत के लक्ष्य के साथ जोड?ा होगा। उन्होंने हाल की अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए बताया कि पिछले दशक में 90 करोड़ से अधिक नागरिकों को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा गया, जिससे न केवल सामाजिक सुरक्षा बढ़ी, बल्कि लाखों नए रोजगार भी सृजित हुए।

प्रधानमंत्री ने निजी क्षेत्र में रोजगार सृजन पर भी जोर दिया। हाल ही में मंजूर की गई 'रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाड़ के तहत पहली बार नौकरी पाने वाले युवाओं को 15,000 रुपये की सहायता दी जाएगी। इस योजना के लिए 1 लाख करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है, जिससे करीब 3.5 करोड़ नए रोजगार सृजित होने की उम्मीद है।

पीएम ने कहा, हमारा देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यह हमारे नौजवानों की मेहनत का परिणाम है। रोजगार मेले में शामिल युवाओं को आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर 1,400 से अधिक ई-लर्निंग कोर्स के माध्यम से प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

सीएम मोहन यादव ने लिया भस्म आरती में हिस्सा, कहा- रक्षाबंधन पर लाड़ली बहनाओं को मिलेंगे 1500 रुपए

उज्जैन ,12 जुलाई (ए)। मध्य प्रदेश की लाड़ली बहनाओं के लिए यह अच्छी खबर है कि राज्य सरकार उन्हें रक्षाबंधन के मौके पर 1250 रुपए के अलावा 250 रुपए अतिरिक्त देगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि इस राशि को बढ़ाकर आगामी समय में तीन हजार रुपए कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार की सुबह बाबा महाकाल की भस्म आरती में हिस्सा लिया और पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि आज बाबा महाकाल ने भस्म आरती में अद्भुत कृपा की है। बाबा के आशीर्वाद से मध्य प्रदेश आगे बढ़ रहा है। हम समृद्धि के मार्ग पर निवेशकों को आमंत्रित कर रहे हैं। रविवार को मैं दुबई और स्पेन के सात दिवसीय दौरे पर जा रहा हूं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने समाज के विभिन्न वर्गों के कल्याण का भरोसा दिलाते हुए कहा कि मैं प्रतिबद्ध हूं लाडली बहनों को प्रतिमाह दी जाने वाली राशि को धीरे-धीरे करके तीन हजार रुपए तक पहुंचाएंगे। आज बहनों के खाते में 1250 रुपए की राशि अंतरित की जाएगी। रक्षाबंधन के पहले ढाई सौ रुपए की अतिरिक्त राशि के साथ 1500 रुपए बहनों के खाते में अंतरित करेंगे।

मुख्यमंत्री यादव ने लाड़ली बहनाओं को दी जाने वाली राशि में बढ़ोतरी का वादा किया और कहा कि भाई दूज के बाद नवंबर के महीने से हर महीने 1500 रुपए की राशि बहनों के खाते में अंतरित करने का संकल्प पूरा होगा। राज्य में कांवड़ यात्रा के यात्री आते है और उनका विभिन्न क्षेत्रों से निकलना भी होता है।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा है कि उज्जैन सहित अन्य स्थानों पर आने वाले कांवड़ यात्रियों को जरूरी सुविधाएं सरकार की ओर से उपलब्ध कराई जाएंगी। कांवड़ यात्री राज्य में जहां से प्रवेश करेंगे और जिस स्थान तक जाएंगे, उन्हें सरकार सुविधाएं देगी।

बता दें कि राज्य में वर्ष 2023 में हुए विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने लाड़ली बहनाओं को तीन हजार रुपए प्रतिमाह देने का ऐलान किया था। राज्य में एक करोड़ 27 लाख लाड़ली बहनाएं है।

कांवड़ यात्रा तक रिलीज रोकने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली ,12 जुलाई (ए)। 'उदयपुर फाइल्स फिल्म की रिलीज कांवड़ यात्रा तक रोकने की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के बाद फिल्म की रिलीज से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर पहुंचा था। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुनवाई से इनकार करते हुए याचिका को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर एक टिप्पणी दी। कहा, पहले ही दिल्ली हाईकोर्ट इस पर आदेश दे चुका है इसलिए इस मांग पर हम कोई सुनवाई नहीं करेंगे। 'उदयपुर फाइल्स फिल्म शुक्रवार को ही रिलीज होनी थी। यह कन्हैया लाल हत्याकांड पर आधारित है। 28 जून, 2022 को राजस्थान के उदयपुर में मोहम्मद रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद ने मिलकर दर्जी कन्हैयालाल का गला रेत दिया था।

बिहार में हर परिवार को मिलेगी 100 यूनिट फ्री बिजली, विधानसभा चुनाव से पहले नीतीश सरकार देगी जनता को तोहफा

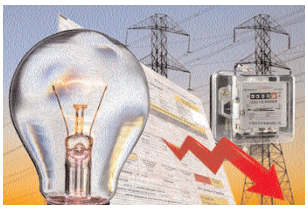

पटना ,12 जुलाई (ए)। बिहार में आगामी 2025 विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनता को राहत देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। नीतीश सरकार ने राज्य के हर परिवार को 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की योजना बनाई है।

ऊर्जा विभाग की इस योजना को वित्त विभाग से मंजूरी मिल चुकी है, और जल्द ही इसे राज्य कैबिनेट की बैठक में अंतिम रूप दिया जाएगा। योजना लागू होने पर लाखों उपभोक्ताओं को सीधे लाभ मिलेगा, जिससे उनके मासिक बिजली बिल में सैकड़ों रुपये तक की बचत हो सकती है।

चूंकि बिहार में 2025 में विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में इस घोषणा को राजनीतिक नजरिए से भी एक अहम दांव माना जा रहा है। यह फैसला नीतीश सरकार की तरफ से सीधे मध्यमवर्गीय और निम्न आय वर्ग के वोटर्स को साधने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

विपक्षी दल इस योजना पर अपनी प्रतिक्रिया देने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, केंद्र सरकार की 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजनाड़ पहले से ही सक्रिय है, जिसके तहत लोगों को घर की छत पर सोलर पैनल लगवाकर बिजली बिल से राहत दी जा रही है।

फडणवीस के मंत्री का आईटी नोटिस के बीच नोटों से भरे बैग वाला वीडियो वायरल, मुश्किलें बढ़ीं

नागपुर ,12 जुलाई (ए)। महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार में मंत्री और शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता संजय शिरसाट की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। संपत्ति में अचानक हुई बढ़ोतरी को लेकर आयकर विभाग के नोटिस का सामना कर रहे शिरसाट का अब एक और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने महाराष्ट्र की सियासत में भूचाल ला दिया है। इस वायरल वीडियो में मंत्री संजय शिरसाट शॉर्ट्स और बनियान पहने हुए बिस्तर पर बैठे सिगरेट पीते नजर आ रहे हैं। वह किसी से फोन पर बात कर रहे हैं और उनके बगल में एक ट्रॉली बैग खुला पड़ा है, जिसमें नोटों की गड्डियां भरी हुई दिखाई दे रही हैं। वीडियो में उनका पालतू कुत्ता भी नजर आ रहा है। शिवसेना के नेता और सांसद संजय राउत ने इस वीडियो को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर करते हुए सीधे उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा है। उन्होंने लिखा, मुझे देवेंद्र फडणवीस पर दया आ रही है। आखिर उन्हें कितनी बार देखना पड़ेगा कि उनकी इज्जत तार-तार हो रही है। मजबूरी का दूसरा नाम: फडणवीस।

वीडियो वायरल होने और विपक्ष के हमलावर होने के बाद मंत्री संजय शिरसाट ने इस पर अपनी सफाई पेश की है। उन्होंने वीडियो में दिख रहे बैग में नोटों की गड्डियां होने के दावे को खारिज कर दिया है।

एयर इंडिया विमान हादसे की प्रारंभिक रिपोर्ट में खुलासा, उड़ान के बाद दोनों इंजन हुए थे बंद

नई दिल्ली ,12 जुलाई (ए)। एयर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान के इंजन के फ्यूल कंट्रोल स्विच टेकऑफ के तीन सेकंड बाद 'रन से 'कटऑफ की स्थिति में चले गए, जिसके कारण विमान उड़ान भरने के 34 सेकंड बाद ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। शनिवार को विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) की शुरूआती जांच रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई।

एयर इंडिया फ्लाइट 171 के इंजनों को ईंधन आपूर्ति करने वाले दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच एक के बाद एक 'रन से 'कटऑफ पोजिशन में चले गए, जिससे दोनों इंजन बंद हो गए। जांच रिपोर्ट के अनुसार, कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर में एक पायलट को दूसरे से पूछते हुए सुना गया कि उसने ईंधन बंद क्यों किया, जिसके जवाब में दूसरा पायलट कहता है कि उसने ऐसा नहीं किया।

रिपोर्ट के अनुसार, इंजन 1 और 2 के ईंधन स्विच कुछ ही सेकंड में 'रनड स्थिति में आ गए। दोनों इंजनों के ईजीटी बढ़ गए, जो बताता है कि पुनः रिलाइट प्रक्रिया शुरू हो गई। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डिंग से पता चलता है कि पायलटों में भ्रम की स्थिति थी। एक पायलट ने पूछा, आपने कट क्यों किया? दूसरे ने जवाब दिया, मैंने ऐसा नहीं किया, जिससे संभवतः गलतफहमी का संकेत मिलता है।

इस उड़ान में सह-पायलट क्लाइव कुंदर विमान उड़ा रहे थे, जबकि मुख्य पायलट सुमीत सभरवाल उड़ान की निगरानी कर रहे थे। सभरवाल के पास बोइंग 787 पर करीब 8,600 घंटे का अनुभव था, जबकि कुंदर के पास 1,100 घंटे से अधिक का अनुभव था। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों पायलटों को उड़ान से पहले पर्याप्त आराम मिला था।

15 पेज की रिपोर्ट के अनुसार, उड़ान शुरू होने से लेकर दुर्घटना तक लगभग 30 सेकंड तक चली। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिलहाल जांच में ऐसा कुछ नहीं मिला है जिसके आधार पर बोइंग 787-8 विमान और जीई जेनएक्स-1बी इंजन बनाने वाली कंपनी के लिए कोई चेतावनी जारी करनी पड़े।

प्रारंभिक रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने 2018 में एक विशेष सूचना बुलेटिन (एसएआईबी) जारी किया था, जिसमें ईंधन नियंत्रण स्विच की लॉकिंग सुविधा के अलग होने की संभावना के बारे में चेतावनी दी गई थी। हालांकि, एयर इंडिया ने इसकी जांच नहीं की, क्योंकि यह बुलेटिन केवल सलाहकारी था, न कि अनिवार्य।

रिपोर्ट के अनुसार, विमान और इसके इंजनों पर सभी जरूरी हवाई योग्यता निर्देश और अलर्ट सेवा बुलेटिन का पालन किया गया था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि उड़ान के दौरान मौसम से संबंधित कोई समस्या नहीं थी और विमान का टेक-ऑफ वजन निर्धारित सीमाओं के भीतर था। फिलहाल जांच जारी है और जांच टीम हितधारकों से प्राप्त होने वाले अतिरिक्त साक्ष्य, रिकॉर्ड और जानकारी की समीक्षा करेगी।

रिपोर्ट सार्वजनिक होने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में एयर इंडिया ने कहा, हम इस नुकसान पर शोक व्यक्त करते हैं और इस कठिन समय में सहायता प्रदान करने के लिए पूरी

राज्यपाल डेका ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण

कोरबा। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज अपने कोरबा प्रवास के दौरान जिला पंचायत परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत बादाम के पौधे रोपित किए। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी नागरिकों से अपने आस-पास अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने की अपील की। साथ ही लगाए गए पौधे को सजीव बनाए रखने की जिम्मेदारी स्वयं उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव के माध्यम से प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी विकसित करना है।

पहला कालम

अटल विहार कॉलोनी सरगवां में हुआ वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
राज्य शासन की पर्यावरणीय पहल एक पेड़ माँ के नाम २.० अभियान के अंतर्गत शनिवार को अटल विहार कॉलोनी सरगवां (अम्बिकापुर) में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलोनीवासी, वरिष्ठ नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष श्री अनुराग सिंह देव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज शामिल हुए। विशेष अतिथि के रूप में महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, नगर निगम सभापति श्री हरमिंदर सिंह टिन्नी, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया, श्री भारत सिंह सिसोदिया, श्री अखिलेश सोनी, श्री शिवमंगल सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। हाउसिंग बोर्ड के उपायुक्त श्री पूनम चंद्र अग्रवाल एवं कार्यपालन अभियंता श्री ए.के. मिंज के मार्गदर्शन में कॉलोनी परिसर में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर श्री अनुराग सिंह देव ने कॉलोनीवासियों के लिए ओपन जिम एवं बॉक्स क्रिकेट ग्राउंड की स्थापना के निर्देश अधिकारियों को दिए। कार्यक्रम में मातृशक्ति को सम्मान देते हुए कॉलोनी की महिलाओं को तुलसी के पौधे वितरित किए गए। अतिथियों ने वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी की अपील की।

जल संकट से निपटने मोर-गांव, मोर पानी महाभियान के तहत 922 जल संरचनाओं का निर्माण कार्य जारी

अम्बिकापुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
जल संकट से निपटने एवं भू-जल स्तर में सुधार के लिए मोर-गांव, मोर पानी महाभियान के अंतर्गत सरगुजा जिले में जल पुनर्भरण की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है। जिले के सभी विकासखण्डों में सर्वे कर जल संरक्षण एवं मिट्टी कटाव की रोकथाम हेतु कार्ययोजना तैयार की गई है।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत इस महाभियान में कंटूर ट्रेंच, वृक्षारोपण, गली प्लग -३३५, लूज बोल्डर चेक डेम ३३८, अंडरग्राउंड डाइक, फार्म पोड सहित कुल ९२२ संरचनाओं की स्वीकृति दी गई है, जिन पर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। यह महाभियान ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण एवं रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

इसी कड़ी में जिला मुख्य कार्यपालन अधिकारी, श्री विनय कुमार अग्रवाल द्वारा जनपद पंचायत बतौली के ग्राम पंचायत चिरगा एवं मंगारी में प्रगतिरत कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी कार्य निर्धारित मापदण्डों के अनुरूप प्रगति पर पाए गए। श्री अग्रवाल ने समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले को निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने ग्राम पंचायत मंगारी एवं तरागी में रीपा (राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना) अंतर्गत स्थापित गार्मेंट यूनिट, बेकरी, चैनलिंक फैन्सिंग, तेल प्रोसेसिंग एवं राईस प्रोसेसिंग यूनिट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने आवश्यक सुधार कर इन इकाइयों को पुनः सक्रिय रूप से संचालित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

पानी भरने के दौरान कुएं में गिरने से विवाहिता की मौत

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
कुएं में पानी भरने के दौरान गिरकर डूब जाने से विवाहिता की मौत हो गई है। करंजी पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत राई अपनापारा निवासी ४० वर्षीय सुशीला पैकरा पति सुरेंद्र पैकरा १० जुलाई की शाम कुएं में पानी भरने गई थी, जहां फिसलकर गिर गई। परिजन द्वारा काफी तलाश किए जाने के बाद भी कोई सुराग नहीं मिल पाया था। शनिवार को जब विवाहिता का छोटा पुत्र कुएं में जाकर देखा तो विवाहिता का शव ऊपर पानी में तैर रहा था। बताया गया कि कुएं का उपयोग कम किया जाता था इसलिए भी विवाहिता के पानी में डूबने का पता परिजनो को विलंब से पता चला।सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच शव पंचनामा पीएम उपरांत परिजनो के सुपुर्द कर मामले में मर्ग कायम किया है।

मगेदा जंगल में हुए जघन्य हत्याकांड के आरोपित पत्नी व प्रेमी गिरफ्तार

कोंडागांव। जिले के माकड़ी थाना क्षेत्र के मगेदा जंगल में मिले धमरवीर सिंह कमार उर्फ नेताम के अधजले शव की गुत्थी को सुलझाते हुए कोंड़ागांव पुलिस ने जघन्य हत्याकांड का खुलासा करते हुए धमरवीर सिंह कमार की पत्नी रवीना गागरची उर्फ रविना नागेश पति स्व. धमरवीर सिंह कमार उर्फ नेताम उम्र 23 वर्ष निवासी उमरगांव थाना सिहावा जिला धमतरी हाल पता ग्राम कुकरेल थाना केरेगांव थाना नगरी जिला धमतरी छत्तीसगढ़और उसके प्रेमी विदेश मरकाम पिता लच्छानाथ मरकाम उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम कंडेतरा थाना कुदई जिला नवरंगपुर उड़ीसा को गिरफ्तार किया है।

कोंड़ागांव एसपी वाय अक्षय कुमार ने बताया कि 30 जून को माकड़ी थाना क्षेत्र के मगेदा जंगल में एक अज्ञात पुरुष का अधजला शव मिला था। मृतक की पहचान धर्मवीर उम्र 33 वर्ष के रूप में हुई थी। पुलिस को मृतक के पैंट से एक जली हुई एंटी-रैबिस वैक्सीन पर्ची मिली। इस पर्ची से पता चला कि धर्मवीर ने 27 जून को तमिलनाडु के धरमपुरी अस्पताल में इलाज कराया था। जांच में सामने आया कि आरोपी विदेश मरकाम ने धर्मवीर को धरमपुरी से इलाज के बहाने साथ ले गया । वह उसे नगरी की बजाय उड़ीसा के रायघर ले गया। वहां से क्रिकेट बैट और पेट्रोल खरीदा । फिर जंगल में ले जाकर क्रिकेट बैट से वार कर हत्या कर दी। पहचान छिपाने के लिए शव को जलाने की कोशिश की, लेकिन बारिश के कारण शव पूरी तरह नहीं जल सका। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों धमरवीर सिंह कमार की पत्नी रवीना गागरची उर्फ रविना नागेश एवं उसके प्रेमी विदेश मरकाम को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार यह हत्या धमरवीर सिंह कमार की पत्नी रवीना गागरची उर्फ रविना नागेश एवं उसके प्रेमी विदेश मरकाम ने योजना के तहत की थी। जांच टीम ने हजारों मोबाइल नंबरों की गतिविधियों का विश्लेषण किया। घटनास्थल पर विदेश मरकाम का मोबाइल लोकेशन पाया गया।

एसईसीएल के कुमदा सहक्षेत्र कार्यालय प्रांगण में चल रही शराब खोरी

बड़ी मात्रा में शराब व बियर की खाली बोतले मिली

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
एसईसीएल बिश्रामपुर के कुमदा सहक्षेत्र कार्यालय प्रांगण में अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा शराबखोरी किए जाने का मामला सामने आया है।सह क्षेत्र कार्यालय प्रांगण में स्थित वर्कशॉप के ठीक बाजू बंद पड़े कैंटीन के पीछे शराब और बियर की बड़ी मात्रा में पड़ी बोतले इस बात की गवाही दे रही हैं।बताया जाता है कि सब एरिया कार्यालय की कैंटीन पिछले तीन चार वर्षों से बंद पड़ी है।कैंटिन बंद हो जाने के बाद कुमदा सहक्षेत्र के अधिकारी कर्मचारी बंद कैंटीन का उपयोग मुर्गा व शराब पार्टी के लिए कर रहे हैं।बता दें कि कुमदा सहक्षेत्र में दो भूमिगत खदान संचालित हैं लेकिन दोनों लंबे अरसे से घाटे में संचालित हो रही हैं।पहले यहां नब्बे की दशक में कोल इंडिया की शान कहे जाने वाली कुमदा सात आठ खदान और बलरामपुर दोनों भूमिगत खदान संचालित थी तब यहां लोंगवाल पद्धति से कोयला उत्पादन के लिए यह दोनों खदान देश भर में सुर्खियां बटोरी।चाइनीज तकनीक लोंगवाल पद्धति से कोयला निकालने के बाद आज खदान में लोंगवाल तकनीक बंद कर दी गई है।दोनो खदान लगातार घाटे में संचालित है।कम उत्पादन और घाटे को देखते हुए पिछले ३१ मई से कुमदा सात आठ खदान से कोयला उत्पादन बंद कर दिया गया है

वर्तमान में यहां करीब डेढ़ सौ कर्मी खदान बंद होने के बाद भी पदस्थ हैं जिन्हें कंपनी बैठा कर वेतन दे रही है।यही हाल बलरामपुर दस बारह खदान का है उक्त खदान सीटीओ के आभाव में पिछले एक जुलाई से बंद हो गई है यहां साढ़े चार सौ कर्मचारी बैठ कर सरकार से तनख्वाह ले रहे।दोनों खदान बंद होने से वर्कशॉप सहित सहक्षेत्र में अन्य सौ से अधिक अधिकारी कर्मचारी केवल हाजरी लगा हर माह वेतन ले रहे।

शराब खोरी व मुर्गा पार्टी का रोज हो रहा आयोजन

बताया जाता है कि जब दोनों खदान से कोयला उत्पादन हो रहा था तब दोनों खदानों से महज दो सौ से ढाई सौ टन कोयला ही रोज निकल पाता था जबकि दोनों खदानों को चलाने सात सौ के करीब अधिकारी कर्मचारी तैनात हैं जिन्हें हर माह करोड़ो रु वेतन दिया जाता है।खबर है कि कुमदा सात आठ खदान व बलरामपुर खदान का प्रबंधन खदान के तेज तर्रार कर्मियों को ड्यूटी बांटने और पैसा वसूली में लगा रखा है।दोनो खदानों में चापलूस व चहेते कर्मी संडे ड्यूटी का बटवारा करते हैं और संडे ड्यूटी के बदले कर्मियों को अतिरिक्त कमाई में मंथली पंद्रह हजार से बीस हजार हर माह वसूली करते हैं।यही हाल दैनिक ड्यूटी का है जिसमें कई कर्मियों को हाजरी लगा कर घर जाने के एवज में हर माह वेतन का पच्चीस प्रतिशत राशि लिया जाता है।खदान के एक कर्मचारी ने बताया कि अगर दोनों खदानों में लगे सीसी कैमरे की बारीकी से जांच हो जाए तो चौंकाने वाले खुलासे होंगे जिसमें कौन कर्मी कब ड्यूटी आता है और कौन नहीं और तो और संडे रोस्टर की जांच में भी स्पष्ट होगा कि पैसे देने वाले चुनिंदा कर्मियों को ही संडे ड्यूटी दी जाती है और उनसे हर माह मोटी रकम वसूली जा रही है।इस मामले से जब क्षेत्र के महाप्रबंधक डॉक्टर संजय सिंह को पिछले दिनो पूरी घटना क्रम से अवगत कराया गया तो उन्होंने सात आठ खदान के मैनेजर को अपने कार्यालय बुला खूब फटकार लगाई है।

नगद के साथ दारू मुर्गा की भी उड़ाई जाती है दावत

बताया जाता है कि दोनों खदान सहित वर्क शॉप के अधिकारी कर्मचारी हर तीसरे या चौथे दिवस कुमदा सब एरिया कार्यालय प्रांगण के बंद कैंटीन का उपयोग दारू मुर्गा पार्टी के लिए करते हैं इसकी व्यवस्था खदान के कर्मचारी ही करते हैं।नगदी के साथ सप्ताह में दो दिन शराब और कबाब की पार्टी से अधिकारी मस्त हैं।वही घाटे में संचालित खदान को पूरी तरह बंद कर कर्मियों को दूसरे क्षेत्रों में शिफ्ट करने की जब प्रबंधन सोचता है तो श्रमिक संगठन खदान बंद करने का विरोध कर अपनी नेतागिरी चमकाते हैं।कामगारों से क्षेत्र के अधिकारियों द्वारा बिना काम के हाजरी देने अथवा संडे ड्यूटी का बेजा लाभ देने के नाम कर्मियों से सुविधा शुल्क की वसूली व दारू पार्टी इसलिए भी जोर शोर से जारी है क्योंकि कुमदा सहक्षेत्र से क्षेत्रीय मुख्यालय बारह तेरह किलोमीटर दूर है ओर क्षेत्रीय प्रबंधन भी अधिकारियों के करतूत से अनभिज्ञ है।असंगठित कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष संदीप शर्मा ने कामगारों से अवैध वसूली व शराब खोरी की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।
इस संबंध में कुमदा सहक्षेत्र प्रबंधक अश्विनी चंद्रा से उनके मोबाइल नंबर में कॉल कर संपर्क का प्रयास किया गया लेकिन उनके द्वारा कॉल रिसीव नहीं करने से उनका पक्ष नहीं मिल सका है।

गौतस्करो को भटगांव थानेदार दे रहा संरक्षण एसपी से शिकायत

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
सूरजपुर जिले में लगातार सामने आ रही अवैध गौतस्करी की घटनाओं को लेकर विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने सुरजपुर एसएसपी को ज्ञापन देकर भटगांव थानेदार पर कार्यवाही की मांग की है। संगठन ने इस पूरे मामले में न सिर्फ स्थानीय पुलिस प्रशासन को लापरवाह ठहराया है, बल्कि भटगांव थाना प्रभारी पर सीधे-सीधे गौतस्करों को संरक्षण देने का गंभीर आरोप लगाया है।विहिप सूरजपुर जिलाध्यक्ष सुनील पांडेय द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को सौंपे ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ७-८ जुलाई की रात ग्राम मलगा में तीन पिकअप वाहनों में करीब १८-२० गोवंश को अवैध रूप से ले जाया जा रहा था। यह पूरी कार्रवाई गुड्डू मियां नामक व्यक्ति द्वारा करवाई गई, जो लंबे समय से इस अवैध व्यापार में लिप्त है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि मामले की सूचना जैसे ही गौरक्षकों को मिली, उन्होंने तत्परता दिखाते हुए प्रतापपुर थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहन पकड़ा, लेकिन आश्चर्यजनक रूप से इस मामले की कार्रवाई चंदौरा थाना में दर्ज की गई। विहिप का आरोप है कि यह कदम जानबूझकर उठाया गया ताकि मूल थाना क्षेत्र और वहां के प्रभारी की संलिप्तता पर परदा डाला जा सके। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि भटगांव थाना प्रभारी के संरक्षण में गौ तस्करी लंबे समय से चल रही है। विहिप का कहना है कि थाना प्रभारी न केवल इन गतिविधियों से अवगत हैं, बल्कि तस्करों को प्रशासनिक सुरक्षा और सहयोग भी प्रदान किया जा रहा है। यह आरोप प्रशासनिक निष्पक्षता और कानून के पालन पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है। विहिप ने अपने ज्ञापन में यह भी स्पष्ट किया है कि छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय ने हाल ही में जारी परिपत्र में गोवंश एवं दुधारू पशुओं की तस्करी के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद जिले में खुलेआम तस्करी हो रही है, जो इस आदेश की खुलेआम अवहेलना है। ज्ञापन में कहा गया है कि यह मामला कोई अकेला प्रकरण नहीं है। जिले के कई क्षेत्रों में लगातार तस्करी की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन इन पर प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। इससे यह आशंका प्रबल होती है कि कहीं ना कहीं पुलिस व गौतस्करों के बीच अंदरूनी सांठगांठ है। विहिप ने चेतावनी दी है कि यदि जिला प्रशासन ने जल्द से जल्द सख्त कार्रवाई नहीं की, तो बजरंग दल के साथ मिलकर संगठन जिला स्तर पर बड़ा आंदोलन छेड़ेगा। इस घटनाक्रम के बाद आमजन और गौरक्षक संगठनों में आक्रोश और असंतोष की की स्थिति निर्मित कर दी है।

अवैध रेत परिवहन करते 6 वाहन जप्त, लगाया 50,000 का जुमार्ना

एमसीबी। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देश पर तथा पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में जिला खनिज उड ?दस्ता दल एवं पुलिस विभाग ने 8 और 9 जुलाई 2025 को झगराखंड, तेन्दुदंड और भल्लौर क्षेत्रों में बड़ी कार्रवाई करते हुए रेत एवं गिट्टी के अवैध परिवहन में लिप्त छह वाहनों को जप्त किया है। इस संयुक्त दल ने हसदेव एवं हसिया नदी क्षेत्र का सघन निरीक्षण कर झगराखंड क्षेत्र से 4 ट्रैक्टर और 1 टिप्पर तथा भल्लौर क्षेत्र से 1 ट्रैक्टर वाहन को अवैध परिवहन में संलिप्त पाते हुए जब्त किया। जप्त वाहनों में से एक ट्रैक्टर वाहन को कलेक्टोरेट परिसर में तथा शेष पांच वाहनों को झगराखंड थाने में सुरक्षार्थ रखा गया है। सभी छह वाहनों के विरुद्ध खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 के अंतर्गत विधिसम्मत कार्रवाई की गई है।
इसके अतिरिक्त ग्राम बिछियाटोला में शिशुपाल पनिका के नाम से स्वीकृत खनिज रेत अस्थायी भंडारण अनुज्ञा की शर्तों के उल्लंघन पर छत्तीसगढ़ खनिज (खनन, परिवहन तथा भंडारण) नियम 2009 के उपनियम 7(4) के तहत कार्रवाई करते हुए 50,000 का अर्थदंड अधिरोपित किया गया, जिसे खनिज मद में जमा कराया गया है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एन.जी.टी.) के दिशा-निदेर्शों के अनुसार 10 जून से 15 अक्टूबर तक राज्य में रेत खनन पूर्णतः प्रतिबंधित है। बावजूद इसके कुछ क्षेत्रों में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है।

शराब बेचकर पार्टी कार्यालय बनाने वाले कांग्रेस नेता किस नियत से करेंगे प्रदर्शन - फूलचंद

बीजापुर। जिले के आवापल्ली में शराब दुकान को लेकर कांग्रेस के बीजापुर विधायक विक्रम मंड़ावी ने आंदोलन की चेतावनी दी इस पर भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति सदस्य फूलचंद गागड़ा ने पलटवार करते हुए कहा कि शराब बेचकर पार्टी कार्यालय बनाने वाले किस नियत से शराब दुकान के विरोध में प्रदर्शन करेंगे। जारी प्रेस विज्ञप्ति में फूलचंद गागड़ा ने कहा कि विष्णुदेव सरकार की पहली प्राथमिकता आदिवासी, शिक्षा और रोजगार है, विपक्ष स्कूल बंद किये जाने का राग अलाप रही है, परंतु सरकार ने कम दर्ज स्कूलों को मर्ज कर व्यवस्था सुद्दढ़ किया है। शराब दुकान के विरोध पर उन्होने कहा वे आखिर किस नियत से आंदोलन करेंगे,

अनुराग बसु के समर्थन पर कुश जोत्वानी सर ने मुझे पूरा समर्थन दिया और मेरे सीन में फ्लूइड होने की पूरी आजादी दी

मुंबई। सिनेमा की दुनिया हमेशा नए टैलेंट की तलाश में रहती है, और अब सबकी नजरें कुश जोत्वानी पर हैं, जो अनुराग बसु की बहुप्रतीक्षित फिल्म मेट्रो... इन दिनों से अपना डेब्यू कर रहे हैं। फिल्म में वे 'आनंद' का किरदार निभा रहे हैं, जो एक इमोशनल और गहराई से भरी कहानी का हिस्सा है।
इतने बड़े डायरेक्टर के साथ काम करना किसी भी न्यूकमर के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। लेकिन, कुश के लिए यह अनुभव सीखने और सहजता से भरा रहा। सेट का माहौल बहुत सहयोगात्मक था। डायरेक्शन से भी आगे बढ़कर इंसानी जुड़ाव और सह-कलाकारों के साथ की केमिस्ट्री ने इसे खास बना दिया।
कुश बताते हैं कि शोल्डर श्रगिंग (कँधा उचकाना) आनंद के किरदार की एक खूबी थी, जो मुझे बसु सर ने दी। इससे आनंद के

बेपरवाह स्वभाव की गहराई समझ आई। शुरू में थोड़ा समय लगा लेकिन बाद में सब स्मूद हो गया। सर ने मुझे मेरी एक्टिंग को एक्सप्लोर करने की आजादी दी, और वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

कुश ने आगे बताया कि एक दिन मैं जल्दी सेट पर पहुँच गया था और तानी मैम और बसु सर के साथ बैठ गया। हम मेरी अमेजन शोज की बातें कर रहे थे और सर ने मुझे बधाई दी। ये छोटे-छोटे पल मेरे लिए बेहद मायने रखते हैं। सर ने यह भी कहा कि मैं किरदार में ढल गया हूँ, मैंने आनंद को खोज लिया है।अपना पहला सीन याद करते हुए कुश बोले, मेरा पहला सीन था इश्क या ठरक गाने का और मुझे पता था कि ये मेरे लिए सब कुछ बदल देगा। उस समय वैनिटी वैन में मैं बहुत नर्वस था। लेकिन 'एक्शन' के बाद सब कुछ ठीक लगने लगा। सेट का माहौल बहुत पॉजिटिव और सपोर्टिव था।
उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने सारा अली खान से बात करते हुए बताया कि उनके भाई इब्राहिम और उनके भाई करण जोत्वानी, दोनों जुहू के बेसेंट मोंटेसरी प्री-स्कूल में पढ़े हैं।
एक बार बसु सर से रणबीर कपूर की बात करते हुए कुश बोले, ₹सर ने मुझे बताया कि रणबीर सबसे वसेर्टाइल और ग्राउंडेड एक्टर हैं, जिनके साथ उन्होंने काम किया है। वे सेट पर सबके साथ घुल-मिल जाते हैं। वे यूनिट का, क्रू का और सेट पर मौजूद हर चीज का हिस्सा होते हैं। सर ने कहा कि तुम्हें कभी जिंदगी और एक्टिंग पर बात करनी हो, तो रणबीर से करना। सचमुच यह मेरे लिए बहुत खास लम्हा था।

भारत पेट्रोलियम की गैस पाइपलाइन परियोजना को मिली राहत, नगर पालिका का निर्णय को कलेक्टर ने किया निलंबित

एमसीबी। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डी. राहुल वेंकट द्वारा भारत सरकार की महत्वाकांक्षी ₹सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन₹ परियोजना को लेकर एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड को एम.डी.पी.ई. माध्यम घनत्व पॉलीथिन पाइपलाइन डाया 32 द्वद्व / 63 द्वद्व / 90 द्वद्व / 125 द्वद्व के माध्यम से नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ क्षेत्र में भूमिगत प्राकृतिक गैस पाइपलाइन बिछाने की अनुमति 15 मार्च 2024 को दी गई थी, जिसमें कार्य पूर्ण करने की 6 माह की शर्त अधिरोपित की गई थी। निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण न होने पर अनुमति निरस्त मानी जानी थी, किंतु शर्तों के अनुसार भारत पेट्रोलियम द्वारा समयावधि बढ़ाने हेतु नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ को आवेदन प्रस्तुत किया गया था।भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड छत्तीसगढ़-1 गैस टेरिटोरी द्वारा क्रमशः 5 सितंबर 2024 और 7 जून 2025 को विस्तार हेतु आवेदन प्रस्तुत किए गए, जिस पर नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ की साधारण बैठक 12 जून 2025 में अतिरिक्त निर्णय क्रमांक 13(1) के तहत समयावधि विस्तार के प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया गया, परंतु निर्णय में कोई कारण नहीं दशार्या गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा 7 जुलाई 2025 को बीपीसीएल को निर्णय की सूचना दी गई, जिसे लेकर कलेक्टर कार्यालय द्वारा 9 जुलाई को मांगी गई स्पष्टीकरण पर नगर पालिका ने अपने निर्णय पर स्थिर रहने का पत्र प्रस्तुत किया।
कलेक्टर कार्यालय द्वारा प्रस्तुत तथ्यों, दस्तावेजों और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के पत्र दिनांक 4 जुलाई 2025 का अवलोकन करने पर यह तथ्य सामने आया कि यह परियोजना न केवल मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले बल्कि आगे चलकर कोरिया, सूरजपुर, सरगुजा एवं बलरामपुर तक विस्तारित होगी, जिससे इस परियोजना में वृहद जनहित निहित है। यह परियोजना भारत सरकार की एक राष्ट्रीय महत्व की योजना है, जिसे भारत पेट्रोलियम जैसा अर्धशासकीय लोक उपक्रम क्रियान्वित कर रहा है। यह भी स्पष्ट किया गया कि नगर पालिका परिषद द्वारा जारी मूल अनुमति में ही शर्त संख्या 14 के तहत अवधि विस्तार हेतु आवेदन देने का प्रावधान था, जिसकी पूर्ति बीपीसीएल द्वारा समय रहते कर दी गई थी। फिर भी, परिषद द्वारा उसका निराकरण बिना किसी कारण के अस्वीकार करना न केवल प्रशासनिक रूप से अनुचित बल्कि वृहद जनहित की अवहेलना भी है। उपरोक्त समस्त तथ्यों और विश्लेषण के आधार पर कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने यह स्पष्ट किया है कि नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ का निर्णय ₹संकुचित द्दष्टिकोण₹ और ₹कारण रहित प्रस्ताव₹ पर आधारित है, जो राष्ट्रीय हित एवं जनसाधारण की सुविधा के विपरीत है। इसलिए नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ की साधारण बैठक 12 जून 2025 के अतिरिक्त निर्णय क्रमांक 13(1) को छत्तीसगढ़ नगरपालिका अधिनियम 1961 की धारा 323(1) के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।साथ ही भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, छत्तीसगढ़-1 गैस टेरिटोरी, अंबिकापुर को निर्देशित किया गया है कि परियोजना कार्य के दौरान लोक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने की स्थिति में वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

17 करोड़ की लागत से बना कन्वेंशन भवन हादसे का शिकार, छत गिरने की घटना से निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर उठे सवाल, अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध

कोरबा अम्बिकावाणी - जिले में करोड़ों की लागत से बने देवी अहिल्याबाई होलकर कन्वेंशन भवन की छत गिरने की घटना ने निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार की आशंका को जन्म दे दिया है। महज एक माह पूर्व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा लोकार्पित इस भवन की छत अचानक भरभराकर गिर पड़ी, जिससे ना केवल निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली बल्कि निर्माण विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी सवालों के घेरे में आ गई है। यह कन्वेंशन भवन करीब १७ करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ था, जिसका निर्माण कार्य वर्षों से लंबित था। मुख्यमंत्री द्वारा लोकार्पण कार्यक्रम में स्वयं उपस्थित रहना इस भवन की महत्ता को दशार्ता है। लेकिन लोकार्पण के कुछ ही दिनों के भीतर इसका ढांचा असुरक्षित साबित होना निर्माण की गुणवत्ता में भारी कमी और संभावित घोटाले की ओर इशारा करता है।

उठते हैं कई अहम सवाल

निर्माण सामग्री की गुणवत्ता क्या भवन निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया, जिससे मात्र एक माह में छत गिर गई? ठेकेदार की जिम्मेदारी क्या ठेकेदार द्वारा मानकों की अनदेखी कर कार्य को जल्दबाजी में पूरा किया गया? अधिकारियों की भूमिका क्या गुणवत्ता की अनदेखी में विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत रही है?

जल्दबाजी में लोकार्पण - क्या राजनीतिक लाभ के उद्देश्य से अधूरे और असुरक्षित भवन का उद्घाटन कर जनता की जान से खिलवाड़ किया गया?

स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों में इस घटना को लेकर भारी रोष है। कई सामाजिक संगठनों ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। वहीं जिला प्रशासन पर दबाव बढ़ता जा रहा है कि वह दोषियों को चिन्हित कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करे। यह घटना सिर्फ एक भवन की छत गिरने की नहीं, बल्कि शासन-प्रशासन की कार्यशैली, जवाबदेही और भ्रष्टाचार के विरुद्ध सरकार की इच्छाशक्ति की भी अग्निपरीक्षा है। अब देखना यह होगा कि शासन इस गंभीर प्रकरण को किस तरह से लेता है और क्या इस घटना से कोई बड़ी कार्रवाई सामने आती है।

छोटी खबरें

बालकोनगर में 11 वर्षीय मासूम से अनाचार, आरोपी गिरफ्तार, पूर्व में हत्या के मामले में जा चुका है जेल, हाल ही में आया था जमानत पर बाहर

कोरबा अम्बिकावाणी - थाना बालकोनगर क्षेत्र से एक मर्मांतक घटना सामने आई है, जहां एक ११ वर्षीय नाबालिग बच्ची के साथ अनाचार की वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ़्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। घटना लालघाट मोहल्ला की है। आरोपी की पहचान सरना सिंकू (२६ वर्ष), पिता शंकर सिंकू, निवासी मुंडा मोहल्ला के रूप में हुई है। आरोप है कि सरना ने मासूम बच्ची को बहला-फुसलाकर इस घिनौनी हरकत को अंजाम दिया। परिजनों द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर थाना प्रभारी अभिनवकांत सिंह ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के विरुद्ध धारा ११५(२), ६५(२) क्रहस् एवं पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी पूर्व में अपने ही पुत्र की हत्या के मामले में जेल जा चुका है और हाल ही में जमानत पर रिहा हुआ था।

फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और पीड़िता को न्याय दिलाने का पूर्ण आश्वासन दिया गया है। यह घटना क्षेत्र में चिंता और आक्रोश का विषय बन गई है।

राज्यपाल रामेन डेका ने एकलव्य विद्यालय में लगाया आंवला का पौधा, छात्रों से संवाद कर बढ़ाया उत्साह

कोरबा अम्बिकावाणी - छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रामेन डेका ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय परिसर में आंवला के पौधे रोपे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए लोगों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की अपील की, ताकि धरती को हरा-भरा और जीवनदायिनी बनाया जा सके। इस अवसर पर राज्यपाल श्री डेका ने परिसर में संचालित एकलव्य विद्यालय और शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने छात्रों से परिचय लेते हुए उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने और जीवन में सफलता पाने के लिए सतत प्रयत्नशील रहने का संदेश दिया। राज्यपाल श्री डेका ने एकलव्य विद्यालय के प्राचार्य से संस्था में छात्रों की संख्या, शिक्षकों की उपलब्धता और शिक्षण व्यवस्था की विस्तार से जानकारी ली। साथ ही आईटीआई में संचालित ट्रेड्स की जानकारी प्राप्त कर उनके स्वरोजगार व रोजगार संभावनाओं पर भी चर्चा की।

इस दौरान कलेक्टर अजीत वसंत, एसपी सिद्धार्थ तिवारी, डीएफओ कटघोरा कुमार निशांत सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

अपने गांव के विकास के लिए योजना बनाकर उसमे भागीदार बनिये-राज्यपाल रामेन डेका

राज्यपाल ने निर्वाचित जन प्रतिनिधियों और सरपंचों से की मुलाकात

कोरबा अम्बिकावाणी - छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रामेन डेका ने कोरबा जिले के आकांक्षी ब्लाक कोरबा और पोंड़ीउपरोड़ा के ब्लाक स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर महत्वपूर्ण इंडिकेटर की समीक्षा करने के साथ-साथ क्षेत्र के निर्वाचित जन प्रतिनिधियों और सरपंचों से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि आप निर्वाचित जन प्रतिनिधि हैं और गांव व अपने क्षेत्र से सीधे जुड़े होते हैं, आप प्रथम स्तंभ हैं इसलिए आपको चाहिये कि आप अपने क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान रखकर योजना बनाएं, जो भी समस्याएं हैं उनको चिन्हांकित करें और आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कलेक्टर से मिलकर उनसे चर्चा करें। राज्यपाल ने कहा कि १५ वें वित्त से प्राप्त होने वाली राशि का सदुपयोग गांव के विकास के लिए किया जाये। उन्होंने निर्वाचित जन प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे अपने गांव से जुड़कर रहें और नजर रखें कि जिन उद्देश्यों के लिए गांव में योजना का क्रियान्वयन हुआ है उसका संचालन सही ढंग से हो रहा है या नहीं। उन्होंने गांव में स्वच्छता, पेयजल उपलब्धता, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण और असाक्षर महिलाओं को साक्षर बनाने तथा पीएम आवास योजना अन्तर्गत हितग्राहियों को आवास निर्माण समय पर पूरा करने के लिये जन प्रतिनिधियों की भूमिकाओं को महत्वपूर्ण बताते हुए निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर निर्वाचित जनप्रतिनिधियों जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सरपंचों द्वारा महामहिम राज्यपाल का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस दौरान कलेक्टर अजीत वसंत, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, डीएफओ निशांत कुमार, जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, एसडीएम तुलाराम भारद्वाज तथा जन प्रतिनिधिगण उपस्थित थे.

टीबी मरीजों को पोषण आहार देने आगे आए जनप्रतिनिधि

कोरिया बैकुंठपुर - कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी द्वारा टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत टीबी मरीजों को प्रोटीन युक्त पोषण आहार उपलब्ध कराने हेतु की गई निक्षय मित्र बनने की अपील का असर दिखे लगा है। अब जनप्रतिनिधि भी इस पुनीत कार्य में सक्रिय रूप से भागीदारी निभा रहे हैं। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी की अध्यक्षता में गुरुवार को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े एवं सभापति श्रीमती सुषमा कोराम द्वारा जिले के १६ टीबी मरीजों को गोद लेकर उन्हें ६ माह तक पोषण आहार देने का संकल्प लिया गया। ये सभी सहायता अपने-अपने जिला पंचायत मानदेय से प्रदान की जाएगी। जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा ने ६ मरीजों को गोद लिया। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े ने ५ मरीजों की जिम्मेदारी ली। जिला पंचायत सभापति श्रीमती सुषमा कोराम ने भी ५ मरीजों को गोद लेकर सहायता की शुरूआत की। मोहित पैकरा ने कहा कि 'टीबी मरीजों की सेवा मानवता की सेवा है। कोई भी व्यक्ति या जनप्रतिनिधि निक्षय मित्र बनकर इस कार्य में जुड़ सकता है।' वहीं श्रीमती वंदना राजवाड़े ने कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी, सीईओ डॉ. चतुर्वेदी और सीएमएचओ डॉ. प्रशांत सिंह को धन्यवाद देते हुए कहा कि 'आपके प्रयासों से हम अपने क्षेत्र के लोगों की मदद कर पा रहे हैं।' सभापति श्रीमती सुषमा कोराम ने कहा, 'कोरिया जिले के हर अभियान का हिस्सा बनकर हम जनसेवा के लिए तत्पर हैं।' मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह ने बताया कि वर्तमान में जिले में ११३ टीबी मरीज नियमित दवा ले रहे हैं। सामान्य टीबी की दवा का कोर्स ६ माह तक चलता है, और इस अवधि में मरीजों को पर्याप्त पोषण आहार की आवश्यकता होती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि टीबी की जांच एवं उपचार पूर्णतः निःशुल्क है। कार्यक्रम में जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी जे.आर. प्रधान, जिला क्षय अधिकारी डॉ. ए.के. सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक असरफ अंसारी, बीएमओ डॉ. श्रेष्ठ मिश्रा सहित स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी- कर्मचारी उपस्थित रहे।

वाहन मालिकों को बड़ी राहत, अब मनपसंद नंबर का दोबारा उपयोग संभव

रायपुर। राज्य सरकार ने आम नागरिकों को एक और महत्वपूर्ण सुविधा का उपहार दिया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय, महानदी भवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में एक अहम निर्णय लेते हुए यह सुविधा प्रदान की गई है कि अब वाहन मालिक अपने पुराने वाहन के मनपसंद या च्वाईस नंबर का उपयोग नए वाहन में भी कर सकेंगे। परिवहन सचिव श्री एस. प्रकाश एवं परिवहन आयुक्त श्री डी. रविशंकर ने बताया कि इस संबंध में विभाग द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इस नई व्यवस्था से आमजन को सुविधा मिलेगी और उनकी पसंद के नंबर को फिर से उपयोग में लाने का अवसर मिलेगा। यह निर्णय न केवल जनता की सुविधा बढ़ाएगा, बल्कि परिवहन विभाग की सेवाओं को और अधिक पारदर्शी और तकनीकी रूप से उन्नत बनाएगा। परिवहन विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, अब वाहन स्वामी जिनके पुराने वाहनों का पंजीयन विधिपूर्वक निरस्त हो चुका है, वे उसी श्रेणी के नए या अन्य राज्य से एनओसी लेकर आए वाहनों में पुराने पंजीयन नंबर को पुनः प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए वाहन मालिकों को निर्धारित शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करना होगा। यदि पुराना नंबर सामान्य (नॉन-फैंसी) हो, तब भी वाहन स्वामी शुल्क अदा कर संबंधित परिवहन कार्यालय से वही पंजीयन क्रमांक प्राप्त कर सकते हैं। यह सुविधा केवल नए वाहनों या अन्य राज्यों से लाए गए वाहनों पर लागू होगी। पहले से छत्तीसगढ़ में पंजीकृत वाहनों के लिए यह सुविधा मान्य नहीं होगी।

न्यायालय नायब तहसीलदार, अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)

//ईश्तहार//

रा०प्र०क्र० 202507021700088 /अ-6/2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है आवेदिका अतवारो पिता स्व. मिश्री माता स्व. भाको जाति कंवर, निवासी ग्राम परसा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० द्वारा ग्राम परसा स्थित भूमि खसरा नंबर 1522, 1584, 1585, 1586, 1771, 1947, 2056, 2464 कुल खसरा नंबर 09 कुल रकबा 2.6400 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों में वर्तमान खातेदार व अनावेदक सुधन आ. मिश्री, जाति कंवर, निवासी ग्राम परसा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के साथ उत्तराधिकार के आधार पर सहखातेदार के रूप में अपना नाम दर्ज कराने बावत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 04/08/2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 10/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

नायब तहसीलदार,
अम्बिकापुर-2

न्यायालय तहसीलदार, रामानुजगंज
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

-::ईश्तहार::-

क्रमांक/ 2273/ वाचक/ तह./ 2025
रामानुजगंज, दिनांक- 11/07/2025

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम-रामानुजगंज को सूचित किया जाता है कि आवेदक विश्वास सोनी आ० कन्हैयालाल सोनी निवासी ग्राम रामानुजगंज थाना व तहसील रामानुजगंज जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ०ग०) के द्वारा अपने पुत्र आयुष कुमार सोनी के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आय एवं संपत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

यदि उक्त जांच बिन्दु में वर्णित तथ्य के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक-21/07/2025 को अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है।

उक्त नियत समयावधि के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक-03/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
रामानुजगंज
जिला-बलरामपुर रा-गंज (छ०ग०)

नाम परिवर्तन सूचना

मैं पप्पु पिता श्री रामजतन उम्र 18 वर्ष जाति चमार निवासी ग्राम पोस्ट सलवाही जिला बलरामपुर (छ.ग.)

किसी कारणवश मेरा आधार कार्ड में नाम गलत हो गया है उसका संसोधन करवाना चाहता हुं। मेरा अंकसूची में वास्तविक नाम पप्पु है। जो कि मेरा आधार कार्ड में नाम रामजतन हो गया है।

पप्पु
पिता- श्री रामजतन
निवासी- ग्राम पोस्ट सलवाही
जिला- बलरामपुर (छ.ग.)

सूचना

यह आदमी इसका नाम हर्ष बरार है यह हमारे यहां तीन वर्षो से काम कर रहा था उसकी अनैतिक और गैर जिम्मेदराना हरकतों के कारण हमने अपने यूनिसेक्स सेलोन एवं अकेदमी दिप्ती वर्ल्ड ऑफ गलैम से इसे निकाल दिया है। यह हमारे नाम से लोगों से पैसा मांग रहा है। हमारी पहचान का फायदा उठाके।

अतः सभी से निवेदन है कि हमारे नाम से इससे किसी भी प्रकार का लेन -देन न करें ये एक फ्राड व्यक्ति है। अगर कोई ऐसा करता है तो सम्पूर्ण जिम्मेदारी उसकी होगी।

निवेदक
दिप्ती अरोरा,
निवासी- गुरुद्वारा वार्ड,
मायापुर-अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मनेन्द्रगढ़ जिला - एम.सी.बी. (छ.ग.)

क्रमांक/2298/वाचक-1/डायवर्सन/2025 मनेन्द्रगढ़, दिनांक 09/07/2025
(अकबर रिजवी प्रति छ.ग. शासन)
//संशोधित ईश्तहार//
रा.प्र.क्र. 202506330400030 /अ-2/2024-25
पक्षकार अकबर रिजवी प्रति छ.ग. शासन

ग्राम/नगर मनेन्द्रगढ़ की जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक अकबर रिजवी आ. असगर रिजवी, निवासी वार्ड नं. 10 बस स्टैण्ड के पास मनेन्द्रगढ़ तह. मनेन्द्रगढ़, जिला - एम.सी.बी. (छ.ग.) द्वारा छ.ग.भू.रा. संहिता की धारा 172 के तहत प.ह.नं. 14, ग्राम मनेन्द्रगढ़ में स्थित भूमि खसरा नं. 262/16 रकबा 0.0165 हे. भूमि का आवेदक के नाम पर राजस्व अभिलेखों में खातेदार के रूप में दर्जशुदा एवं कब्जेदार भूमिस्वामी है। उक्त भूमि का न्यायालय कलेक्टर जिला एम.सी.बी. (छ.ग.) के रा.प्र.क्र./ 202308330100020 /अ-21/2022-23 आदेश पारित दिनांक 02/01/2024 द्वारा विक्रय की अनुमति प्राप्त है। उक्त भूमि आवेदक को पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 01/03/2024 के माध्यम से प्राप्त हुई है। आवेदक उक्त भूमि न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) मनेन्द्रगढ़ के रा.प्र.क्र./07/अ-2/1985-86 आदेश दिनांक 15/04/1986 द्वारा व्यवसायिक व्यपवर्तीत किया गया है। उक्त भूमि का प्रमाण पत्र जारी करने हेतु निवेदन किया गया है।

अतः उक्त भू-व्यपवर्तन के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई दावा आपत्ति पेश करना है तो दिनांक 24/07/2025 तक पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्ति अथवा दावा स्वीकार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09/07/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा द्वारा जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
मनेन्द्रगढ़
जिला - एम.सी.बी. (छ.ग.)

जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द कोरबा ने पेश की मानवता की मिसाल, रक्तदान शिविर में लिया सक्रिय भाग, भालू हमले में घायल आदिवासी परिवार को दी आर्थिक सहायता

कोरबा अम्बिकावाणी। समाजसेवा की भावना को साकार करते हुए जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द कोरबा ने पंचायत सचिव स्थापना दिवस के अवसर पर दोहरी जिम्मेदारी निभाते हुए न केवल रक्तदान शिविर में भाग लिया, बल्कि एक पीड़ित आदिवासी परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान कर मानवता और सेवा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। कोरबा जिला अस्पताल में आयोजित रक्तदान शिविर, जिसे पंचायत सचिव संघ (जिला इकाई) द्वारा आयोजित किया गया था, उसमें जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और रक्तदान कर जरूरतमंदों की सेवा का संकल्प दोहराया। संस्था ने रक्तदाताओं को सप्रेम स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया और जिले के नागरिकों से नियमित रक्तदान करने की अपील की।

सेवा और संवेदना की इसी कड़ी में संस्था ने ग्राम पेंड्रीडीह निवासी रतिराम पिता सुंदरसाय को आर्थिक सहायता प्रदान की। रतिराम हाल ही में भालू के हमले में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्होंने अदम्य साहस दिखाते हुए न केवल स्वयं की, बल्कि अपनी पत्नी की भी जान बचाई। संस्था ने उनके साहस और संघर्ष को सलाम करते हुए उनकी पत्नी को नगद सहायता राशि भेंट की। इस नेक कार्य में संस्था के सक्रिय सदस्य शमशेर आलम, मेंहदी हसन, इमरान खान, मोहम्मद आदिल सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इन सभी ने मानवता को सर्वोपरि रखते हुए निस्वार्थ सेवा की भावना से कार्यक्रम में भाग लिया। जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द का यह प्रयास न केवल सामाजिक उत्तरदायित्व का प्रतीक है, बल्कि समाज को यह संदेश भी देता है कि सेवा, सहयोग और संवेदना ही किसी भी समाज की असली ताकत होती है। संस्था के इस कार्य की जिले भर में सराहना हो रही है।

मोहित सूरी ने किया खुलासा, छह साल की उम्र से ही स्टार बनना चाहती थीं आलिया भट्ट

मोहित सूरी, जो आशिकी 2, कलयुग और एक विलेन जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। हाल ही मे उन्होंने अपनी चचेरी बहन और अभिनेत्री आलिया भट्ट के साथ अपने खास रिश्ते के बारे मे बताया। उन्होंने आलिया के बचपन की कुछ दिलचस्प यादें साझा कीं।

छह साल की उम्र में ही स्टार बनना चाहती थीं आलिया

एक खबर के अनुसार, मोहित ने बताया कि आलिया छह साल की उम्र से ही अभिनेत्री बनना चाहती थी और बहुत कम उम्र में ही उनकी प्रतिभा दिखने लगी थी। उन्हे फिल्मे, संगीत और अभिनय से बहुत प्यार था। मोहित ने 2005 की एक घटना का जिक्र किया, जब उनकी फिल्म जहर का एक रीमिक्स म्यूजिक वीडियो रिलीज हुआ था। उस समय आलिया ने ही अपने पिता महेश भट्ट को समझाया था कि यह युवाओ को बहुत पसंद आएगा। मोहित ने आलिया को सुपर कमर्शियल बताया, जो हमेशा से जानती थी कि दर्शकों को क्या पसंद आएगा। मोहित ने एक पारिवारिक डिनर की याद भी साझा की, जब आलिया 8-9 साल की थीं। मोहित ने उनकी तस्वीर लेने की कोशिश की, तो आलिया ने तुरंत अपनी डिंपल वाली साइड दिखाई और कहा कि वह सही साइड से फोटो ले रहे हैं। मोहित ने कहा कि आलिया को हमेशा से पता था कि वह एक स्टार बनेंगी। मोहित अब अपनी नई फिल्म सैयारा के साथ वापसी कर रहे हैं, जिसमें नए कलाकार अहान पांडे और अनीत पड्डा नजर आएंगे।

नेपोटिज्म का प्रॉडक्ट कहलाने से परहेज नहीं

भोजपुरी एक्टर रवि किशन यूं तो तीन बेटियों और एक बेटे यानी 4 बच्चों के पिता हैं, लेकिन यहां बात करने जा रहे हैं उनकी बेटी रीवा के बारे में। भोजपुरी से लेकर बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुके रवि किशन की बेटी रीवा किशन रियल लाइफ में काफी ग्लैमरस हैं और उन्होंने भी अपने पिता के नक्शे कदम पर आगे बढ़ते हुए फिल्मों में कदम बढ़ाने का फैसला लिया था।

रवि किशन की बेटी रीवा ग्लैमर के मामले में किसी स्टार किड्स से कम नहीं। कई बार तो बॉलीवुड एक्ट्रेस को भी टक्कर देती हैं। रीवा सोशल पर काफी एक्टिव है। रीवा ने पिता और फिल्मों से प्रेरित होकर पहले ही एक्टिंग की दुनिया में आगे आने का फैसला ले लिया था। इसके लिए तैयारी भी शुरू की और नसीरुद्दीन शाह के एक्टिंग ड्रामा ग्रुप से एक साल की ट्रेनिंग ली।

सब कुश मंगल से डेब्यू

रीवा ने साल 2020 मे सब कुश मंगल फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म मे अक्षय खन्ना के साथ रीवा के ऑपोजिट पद्मिनी कोल्हापुरे के बेटे प्रियांक शर्मा नजर आए थे। हालांकि, ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर चली भी नहीं। हालांकि इसके बाद रीवा किसी फिल्म में नहीं दिखी, लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उस फिल्म में दोनों ही एक्टर फिल्मी बैकग्राउंड से थे। रीवा ने नेपोटिज्म पर खुलकर बातें भी की थीं और कहा था कि उन्हें नेपोटिज्म का प्रॉडक्ट कहलाने से परहेज नहीं। रीवा ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि फिल्मों में एंट्री का प्लान उनका हमेशा से था। उन्होंने कहा था, मैं फिल्मों में काम शुरू करने से पहले दुनिया भर में ट्रैवल और एक्टिंग वर्कशॉप करना चाहती हूं। भोजपुरी फिल्मों में काम को लेकर रीवा ने कहा था कि अगर अच्छी स्क्रिप्ट मिले तो वो इस इंडस्ट्री में जरूर काम करेंगी। इसके अलावा भोजपुरी फिल्मों में काम करने की दूसरी शर्त ये रखी कि वो फिल्म डैड (रवि किशन) प्रड्यूस करें, क्योंकि उन्हें यकीन है कि पापा कुछ अमेजिंग लेकर आ सकते हैं।

मैं मराठी, हिंदी और अंग्रेजी में खुश, समझ नहीं आती जेन-जेड की भाषा

एक्ट्रेस काजोल ने कहा कि वह जेन-जेड की अनोखी भाषा को समझने की कोशिश नहीं करतीं। उन्हें अपनी अंग्रेजी, हिंदी और मराठी पर भरोसा है और वह उसी में खुश हैं। काजोल 22 साल की बेटी नीसा और 15 साल के बेटे युग की मां हैं। बातचीत में काजोल ने कहा, मैं जेन-जेड की भाषा समझने की कोशिश ही नहीं करती। मैं अच्छी अंग्रेजी, हिंदी और मराठी बोलने से संतुष्ट हूं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें जेन-जेड की भाषा उलझन भरी लगती है, तो काजोल ने जवाब दिया, मैं मदद मांग लेती हूं। अगर मुझे कुछ समझ नहीं आता, तो मैं साफ कहती हूं कि इसे सरल भाषा में बताओ। काजोल ने साल 1994 में फिल्म 'गुंडाराज' की शूटिंग के दौरान एक्टर अजय देवगन के साथ डेटिंग शुरू की थी। साल 1999 में दोनों ने महाराष्ट्रीयन रीति-रिवाज से शादी की। साल 2003 में उनकी बेटी नीसा और साल 2010 में बेटे युग का जन्म हुआ। काजोल हाल ही में 27 जून को रिलीज हुई माइथोलॉजिकल-हॉरर फिल्म 'मां' में नजर आईं, जिसमें उनके साथ एक्टर रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता और खेरिन शर्मा भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म साल 2024 की फिल्म 'शैतान' के यूनिवर्स पर आधारित है। कहानी एक मां और बेटी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पति के होमटाउन चंद्रपुर जाने पर एक श्राप का सामना करते हैं। फिल्म में काजोल ने एक ऐसे मां किरदार निभाया, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। काजोल के अपकमिंग प्रोजेक्ट पर नजर डालें तो उनके पास 'सरजमीन' है, जिसका निर्देशन कायोज ईरानी ने किया है। यह फिल्म 25 जुलाई को जियो हॉटस्टार पर रिलीज होगी, जिसमें इब्राहिम अली खान और पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। इसके अलावा, वह एक्शन थ्रिलर 'महारानी-क्वीन ऑफ क्वीन्स' में दिखेंगी, जिसका निर्देशन चरण तेज उप्पलपति ने किया है। इस फिल्म में काजोल के साथ प्रभु देवा, नसीरुद्दीन शाह, जिशु सेनगुप्ता, आदित्य सील, प्रमोद पाठक और छाया कदम भी हैं।

जियोहॉटस्टार के शो द सोसाइटी में शामिल हुई खुशी मुखर्जी

एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी ने रियलिटी शो द सोसाइटी में शामिल होने के अनुभव को साझा किया। इस शो मे शामिल होने की उत्सुकता जताते हुए खुशी ने कहा, शो मे जाना मेरे लिए एक खास एहसास है। इस शो का हिस्सा बनने पर मुझे गर्व महसूस हो रहा है और सच में इंतजार नहीं कर सकती कि लोग मुझे एक नए अंदाज में देखें। पिछले कुछ महीनों में, मैंने लोकप्रियता के अच्छे और बुरे दोनों पहलू देखे हैं। कुछ लोग मेरे लिए मजबूत सहारा बने, लेकिन बहुत सारे लोग ऐसे भी थे, जिन्होंने मुझे नीचे गिराने की कोशिश की। उन्होंने कहा, मैं इन बातों की परवाह किए बिना अपने काम और खुद पर ध्यान दे रही हूं ताकि अपने दर्शकों का मनोरंजन कर सकूं। मुझे शो के बारे में ज्यादा कुछ बताने की इजाजत नहीं है, लेकिन हां, मैं दावे के साथ कह सकती हूं कि यह एक ऐसा शो होगा, जो भारत जैसे देश के लिए बिल्कुल नया होगा। मै वाकई बहुत उत्साहित हूं और दर्शकों से प्यार और सपोर्ट मिलने की उम्मीद कर रही हूं। जियो हॉटस्टार के शो को कब और कैसे देखा जा सकेगा, इसकी जानकारी अभी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आई है। 7 जुलाई को जियोहॉटस्टार ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर इस शो का टीजर शेयर किया था, जिसमें कुछ लोग रेड कलर की आउटफिट में कैमरे की तरफ बढ़ते दिखाई दे रहे थे। टीजर शेयर करते हुए स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने लिखा, आपका स्वागत करते हैं द सोसाइटी मे! थोड़ा सावधान रहिए, यहा के नियम भी इनके जैसे अलग और हटके हैं। द सोसाइटी के अलावा, खबर है कि खुशी मुखर्जी बिग बॉस के अगले सीजन मे भी शामिल हो सकती हैं।

बॉलीवुड की स्टार पत्नियों की कहानी को दिखाएंगे मधुर भंडारकर, 'द वाइव्स' की शूटिंग हुई शुरू

अपनी कहानियों के जरिए फैशन और ग्लैमर इंडस्ट्री के पीछे की कहानी दिखाने वाले निर्माता-निर्देशक मधुर भंडारकर अब एक नई फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में बॉलीवुड सेलेब्स की पत्नियों की कहानी को दिखाने की कोशिश करेंगे। उनकी फिल्म 'द वाइव्स' बॉलीवुड की सबसे ग्लैमरस महिलाओं के पीछे छिपी अनकही सच्चाई को उजागर करेगी। फिल्म आज से फ्लोर पर आ गई है।

साल की शुरुआत में हुई थी फिल्म की घोषणा

इस फिल्म की घोषणा मेकर्स ने इस साल की शुरुआत में की थी। 'द वाइव्स' में सोनाली कुलकर्णी, मौनी रॉय, रेजिना कैसंड्रा, राहुल भट्ट, सौरभ सचदेवा, अर्जन बाजवा और फ्रेडी दारूवाला जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की आज से शूटिंग शुरू हो गई है।

समाज की एक और ग्लैमरस परत को हटाना चाहते हैं मधुर

इस फिल्म को लेकर मधुर भंडारकर का कहना है कि 'द वाइव्स' के साथ मैं समाज की एक और ग्लैमरस परत को हटाना चाहता हूं और दिखाना चाहता हूं कि असल में इसके पीछे क्या छिपा है। यह फिल्म उन महिलाओं के रहस्यों, संघर्षों और लचीलेपन पर एक बोल्ड और बेबाक नजरिया पेश करेगी, जिन्हें अक्सर देखा जाता है, लेकिन शायद ही कभी सुना जाता है।

फैशन और बॉलीवुड की दुनिया की पीछे की कहानी दिखा चुके हैं मधुर भंडारकर

मधुर भंडारकर इससे पहले 'फैशन', 'चांदनी बार', 'हीरोइन' और 'पेज 3' जैसी फिल्मों में अलग-अलग इंडस्ट्री के चमक के पीछे की दुनिया को अपनी फिल्मों में दिखा चुके हैं। अब वो बॉलीवुड स्टार पत्नियों की चमकदार दुनिया में उतर रहे हैं और इसके पीछे की कहानी को लेकर आ रहे हैं। एक ऐसी दुनिया जो गपशप और चौंका देने वाली लग्जरीनेस से भरी हुई है। भंडारकर का लक्ष्य लाइमलाइट के पीछे की सच्चाई को उजागर करना। पीजे मोशन पिक्चर्स के निर्माता प्रणव जैन के साथ मधुर भंडारकर का ये दूसरा प्रोजेक्ट है। इससे पहले दोनों 'इंडिया लॉकडाउन' के नाम से ओटीटी पर एक फिल्म ला चुके हैं। इसे काफी पसंद किया गया था।

दिलजीत जमीन से जुड़े इंसान हैं, एक आर्टिस्ट के रूप में उनके लिए मेरे दिल में बहुत सम्मान है

बॉलीवुड एक्ट्रेस डायना पेंटी ने अपने करियर की शुरुआत कॉकटेल फिल्म से की थी, जहां से उनकी पहचान एक शर्मीली लड़की की बन गई थी। हालांकि ऐक्ट्रेस लगातार नए जॉनर में काम करने की कोशिश कर रही हैं। हाल ही में वह फिल्म डिटेक्टिव शेरदिल में दिलजीत दोसांझ के साथ नजर आईं। पेश है उनसे हुई खास बातचीत

दिलजीत दुनियाभर में जाने-माने सिंगर हैं। आपने उनके साथ काम किया है, तो सेट पर उनके साथ कैसा अनुभव रहा? क्या वो आपको सेट पर कुछ गाकर सुनाते थे?

हां, दरअसल, जब हम इस फिल्म की शूटिंग कर रहे थे, उस वक्त दिलजीत का गाना लवर्स रिलीज होने वाला था। उस गाने को हम हर दिन सेट पर सुनते थे, क्योंकि वो उस दौरान कई बार गाने को प्रमोट भी कर रहे होते थे। वो गाने को प्रमोट करने के लिए छोटे-छोटे इंस्टाग्राम विडियो भी वहां बनाते थे। और ना सिर्फ मैंने बल्कि पूरी कास्ट ने उनके ये विडियोज देखे हैं। तो उनके साथ काफी मजेदार सफर रहा है। दिलजीत बहुत ही जमीन से जुड़े इंसान हैं, वह बहुत सम्मानित, उदार हैं। स्वभाव से वो बहुत विनम्र हैं और अपने काम में बहुत अच्छे हैं। वो सेट पर पूरी तैयारी के साथ आते थे, और अपने सीन किए और चले गए। तो एक आर्टिस्ट और साथ ही एक इंसान के रूप में उनके लिए मेरे दिल में बहुत सम्मान है। उनके साथ काम करके मजा आया, वो बेशक बहुत विनम्र हैं, लेकिन दिलजीत में एक मस्तीखोर इंसान भी छुपा हुआ है। वो सेट पर सबको हंसाते रहते थे।

अपनी निजी जिंदगी में आप कितनी शेरदिल हैं?

डायना ने कहा- मैं बहुत किस्मतवाली रही हूं कि मेरा जन्म ऐसे परिवार में हुआ, जहां मुझे बात करने की, खुद को जाहिर करने की आजादी थी। मुझे अपनी मर्जी का करियर चुनने की आजादी थी। तो मेरा पालन-पोषण इस तरह का हुआ है, जिसको लेकर मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं। इस नजरिए से मैं खुद को शक्तिशाली मानती हूं कि मैं उनमें से हूं जो खुद का निर्णय ले सकती है, जो मैं करना चाहती हूं या नहीं करना चाहती हूं, उसको मैं खुद चुन सकती हूं। इससे मुझे खुशी मिलती है। मैं बहुत छोटी से उम्र से ही इंडिपेंडेंट थी। क्योंकि जब मैं कॉलेज में थी, तभी से मैंने काम करना शुरू कर दिया था। मैंने बतौर मॉडल पार्ट टाइम काम किया, तो 18-19 साल की उम्र में मैं कमाने लगी थी। इस तरह से मैं फाइनेंस के मामले में भी काफी आजाद रही हूं। फाइनेंशियल इंडिपेंडेंट होने के बाद आप में चीजों को समझने का सेंस और बराबरी की भावना खुद ही आ जाती है। तो मैं लकी हूं कि ये मैंने बहुत कम उम्र में ही पा लिया था।

फिल्म डिटेक्टिव शेरदिल से जुड़ना कैसे हुआ? क्या आपको जासूसी वाला कॉन्टेंट पसंद है?

अली अब्बास ने मुझे कॉल किया था, जब मैं एक प्रोजेक्ट कर शूटिंग कर रही थी। उन्होंने कहा कि मेरे पास आपके लिए एक स्क्रिप्ट है, जो मैं आपसे शेयर करना चाहता हूं। उन्होंने बताया था कि रवि छाबड़िया उसे डायरेक्ट करने वाले हैं और ये मर्डर मिस्ट्री है। मेरे दिल में अली अब्बास के लिए बहुत सम्मान है तो मैंने उनसे कहा कि मैं जरूर कहानी सुनना चाहूंगी। स्क्रिप्ट को पढ़ा जो मुझे बहुत पसंद आई। मेकर्स ने बताया कि इस सीरीज में बोमन ईरानी, सुमित व्यास, दिलजीत दोसांझ जैसे तमाम अच्छे स्टार हैं, तो मैंने इस प्रोजेक्ट को हां कह दिया। और हां, मुझे तो जासूसी वाले शोज और फिल्में बहुत पसंद हैं। फिल्मों में मेरा सबसे फेवरेट जॉनर स्पाई, थ्रिलर और वॉर हैं। मैं ऐसी फिल्मों को देखना बहुत पसंद करती हूं। मैंने मर्डर मिस्ट्री और जासूसी जॉनर के बहुत सारे शोज और फिल्में देखी हैं। इसमें अलावा मुझे रोम-कोम और ड्रामा भी बहुत पसंद हैं, इसी वजह से मैं इस फिल्म का हिस्सा भी बनी।

फैशन इंडस्ट्री में आपको चाहिए क्रिएटिविटी और आर्ट से अधिक स्किल्स

आज के फैशन इंडस्ट्री मे आपको क्रिएटिविटी और आर्ट से अधिक स्किल्स चाहिए। फैशन इंडस्ट्री में लगभग 3,400 मिलियन लेबर फोर्स जुड़ा है। फैशन इंडस्ट्री में बढ़ती डिमांड के कारण इस क्षेत्र में करियर के ऑप्शन भी बढ़ रहे हैं। लेकिन इस इंडस्ट्री में करियर बनाने के लिए आपको क्रिएटिविटी और आर्ट के अलावा भी कई ऐसी स्किल्स हैं जिसकी मदद से बेहतर करियर बनाया जा सकता है। आइए इस विषय पर चर्चा करते हैं।

बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स

एक सफल कोलॉबोरेशन के लिए एक फैशन डिजाइनर के रूप में अपने करियर को एक नए लेवल पर विस्तारित करने के लिए बेहतर कम्युनिकेशन की आवश्यकता होती है। अपने विचारों को साझा करना, विचार एकत्र करना और आलोचना करना उचित और उचित संवार पद्धति के साथ-साथ चलते हैं।

इफेक्टिव नीडल वर्क

एक फैशन डिजाइनर के रूप में, सिलाई सबसे बुनियादी स्किल्स में से एक बन जाती है। एक डिजाइनर के रूप में आपको अपने द्वारा डिजाइन किए गए कपड़े बनाने में सक्षम होना चाहिए। सब कुछ पूरी तरह से जुड़ जाता है जब आप एक शुरुआत के रूप में अपने डिजाइनों को शीट से बाहर लाने में शामिल तरीकों के अनुभवी ज्ञान की भावना विकसित करने के लिए कर सकते हैं।

अच्छे शैक्षणिक संस्थान

अगर फैशन डिजाइनर बनना होगा है आपकी जड़ें मजबूत होनी चाहिए। फैशन डिजाइनिंग का कोर्स करने से पहले यह जरूर चेक कर लें कि कौन-सा शैक्षिक संस्थान आपके लिए सबसे बेहतर होगा। इस विषय में इंटरनेट पर सारी जानकारियां मिल जाएंगे।

सहयोगात्मक और टीम स्किल्स

एक फैशन डिजाइनिंग के स्टूडेंट के रूप में टीम स्किल्स बहुत आवश्यक हो जाता है। फैशन डिजाइनिंग द्वेरा डिजाइन करने के अलावा और भी बहुत कुछ है। इसके लिए ऐसे लोगों के साथ एक टीम की आवश्यकता होती है जो समस्या-समाधान को संभाल सकें, मुद्दों का समाधान कर सकें, एक दूसरे के साथ सहयोग कर सकें।

बीबीए के बाद दें अपने सपनों को नई उड़ान

बीबीए यानि बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन आजकल विद्यार्थियों में खासा लोकप्रिय कोर्स है। यह मैनेजमेंट में अपना करियर बनाने की इच्छा रखने वाले छात्रों के लिए ही बना है

अन्य क्षेत्रों की तरह ही इस क्षेत्र में वेतन पैकेज किसी व्यक्ति की क्षमताओं पर निर्भर करता है, लेकिन कोई भी प्रति माह 8000 से 30000 के बीच पैकेज की अपेक्षा कर सकता है। जिसमें सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिसर्च असिस्टेंट, ऑफिसर, असिस्टेंट मैनेजर, इवेंट मैनेजर या फिर फाइनेंसियल एनालिस्ट के रूप में आपको नौकरी मिल सकती है।

मैनेजमेंट में पोस्टग्रेजुएट डिग्री

जैसे कि आप सभी जानते होंगे, बीबीए एमबीए की नींव रखता है। यह वास्तव में, एमबीए के लिए जरूरी कदम माना जा सकता है। दूसरे छात्रों के मुकाबले मैनेजमेंट से ग्रेजुएशन करने वाले छात्र के लिए एमबीए करना आसान हो जाता है क्योंकि उसे पहले से मैनेजमेंट के मूल सूत्रों के बारे में ज्ञान रहता है। बीबीए के बाद आप या तो एमबीए या पीजीडीएम कर सकते हैं। दोनों ही प्रोफेशनल पाठ्यक्रम है और आपको बिजनेस और मैनेजमेंट स्किल्स के बारे में ज्ञान प्रदान करते हैं। एक छात्र पोस्ट-ग्रेजुएशन स्तर पर अपनी पसंद के किसी विशेष क्षेत्र में विशेषज्ञ भी हो सकता है और भविष्य की करियर संभावनाओं को बढ़ा सकता है।

कॉर्पोरेट क्षेत्र में विकल्प

बीबीए करने के बाद एक छात्र के पास बहुत सारे विकल्प रहते है, वो कॉर्पोरेट क्षेत्र में भी अपनी सफलता का परचम फैला सकता है और एक अच्छे वेतन के साथ नौकरी प्राप्त कर सकता है। इस कोर्स की बहुमुखी प्रकृति के कारण नौकरी के अवसर भी बहुमुखी होते है- जैसे कि फायनेंस, मार्केटिंग या फिर ऑपरेशन्स डिपार्टमेंट, साथ ही ह्यूमन रिसोर्स एग्जीक्यूटिव (मानव संसाधन कार्यकारी) के रूप में भी काम कर सकता है। इस कोर्स की खास बात ये भी है कि ये एक प्रोफेशनल कोर्स है और इसलिए विद्यार्थियों का प्लेसमेंट कॉलेज कैंपस में भी हो सकता है क्योंकि विभिन्न कम्पनियाँ कॉलेज में से ही नौकरी के लिए उम्मीदवार खोजती है।

एक बिजनेसमैन बने

आजकल स्टार्टअप का जमाना है, जहाँ एक समय था जब लोग नौकरी कि चाह रखते थे वही आज बिजनेस करने का मन रखने वाले युवाओं की गिनती भी लगातार बढ़ रही है। ग्रेजुएशन करने के बाद छात्र अपने आपको एक उद्यमी के रूप में देखना पसंद कर रहे है। बीबीए के एक छात्र को व्यवसाय से संबंधित ज्ञान दिया जाता है, जो उसे सफलतापूर्वक व्यवसाय चलाने के लिए आवश्यक कौशल हासिल करने में मदद करता है। नेतृत्व और संचार कौशल पर अत्यधिक ध्यान देने के कारण, छात्र सही निर्णय लेने और उद्यमी के रूप में अपना व्यवसाय को सफल बनाने में सक्षम हो जाता है।

सरकारी क्षेत्र में कार्य

आईबीपीएस, एसबीआई और अन्य बैंक परीक्षाओं जैसी कई प्रतिष्ठित सरकारी परीक्षाएं बैंकिंग और व्यवसाय के ज्ञान पर जोर देती हैं। बीबीए में डिग्री के साथ, आप इन परीक्षाओं को आसानी से उत्तीर्ण कर सकते हैं। एक बीबीए छात्र को पाठ्यक्रम के दौरान बैंकों, उनके कामकाज और विभिन्न व्यापार-संबंधी मामलों के बारे में जानकारी दी जाती है, इसलिए एक मैनेजमेंट का छात्र निश्चित रूप से अन्य छात्रों के मुकाबले इस क्षेत्र में भी अव्वल हो सकता है।

विदेशी दूतावासों में नौकरी

विभिन्न विदेशी दूतावासों को मैनेजमेंट की डिग्री वाले छात्रों की आवश्यकता होती है। छात्र एक विदेशी भाषा सीख सकते हैं और उस विशेष दूतावास में काम पर जा सकते हैं। छात्र टीओईएफएल या आईईएलटीएस जैसी परीक्षाएं भी दे सकते हैं और आगे के अध्ययन के लिए विदेश में जा सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग क्षेत्र

बीबीए की डिग्री के साथ छात्र डिजिटल मार्केटिंग क्षेत्र में भी अपने हाथ आजमा सकते है, इस क्षेत्र में अभी अपार संभावनाएं है। सोशल मीडिया और डिजिटलीकरण ने इस क्षेत्र में नौकरियों का भंडार लगा दिया है। आज विभिन्न मार्केटिंग और बिजनेस स्किल्स को अपना लोग अपने व्यवसाय को नयी उच्चाइयों पर ले जा रहे है और इसलिए ही इस क्षेत्र में एक बीबीए के छात्र को आसानी से रोजगार के अवसर मिल सकते है। बुनियादी ज्ञान और अच्छे लेखन कौशल होने से आप इस नए पेशे में अपने करियर को तेजी से बना सकते हैं। डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से, आप किसी भी कंपनी की छवि को बदलने और बिज़नेस और मार्केटिंग के लिए रणनीति बना सोशल मीडिया का स्मार्ट उपयोग कर सकते हैं। इन दिनों प्रचलित नौकरियों में कंटेंट राइटिंग और क्रिएटिव राइटिंग जैसे कई अन्य विकल्प भी शामिल हैं, जिनसे आप विज्ञापन एजेंसियों और दूसरी कंपनियों के लिए लिख कर पैसा कमा सकते है।

अन्य विशेष कोर्स में करियर

मैनेजमेंट में डिग्री कर एक छात्र अन्य पाठ्यक्रमों जैसे होटल मैनेजमेंट और टूरिज्म में भी विशेष डिग्री कर अपना करियर बना सकता है। इसके अलावा विद्यार्थी चार्टर्ड अकाउंटेंट भी बन सकते हैं, जिसके लिए उसके तीन चरणों को उत्तीर्ण करना होगा। एक छात्र चाहे तो कई सर्टिफिकेशन कोर्स भी कर सकता है - जैसे की प्रमाणित विश्लेषक कार्यक्रम (सीसीएपी), फायनेंस में एग्जीक्यूटिव कोर्स या रिस्क मैनेजमेंट में डिग्री कर भी करियर बना सकता है। इसलिए, बीबीए के बाद कई विकल्प है, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि आपकी रुचि कहाँ है। अपने विकल्पों का मूल्यांकन करें, अपनी रुचियों का आत्म निरीक्षण करें और आगे का सबसे अच्छा तरीका चुनें।

कुछ अलग क्षेत्र

एक अलग क्षेत्र का चयन करना उन छात्रों के लिए अच्छा तरीका हो सकता है, जिनकी बिज़नेस और मैनेजमेंट क्षेत्र से बाहर निकलने की इच्छा है क्योंकि उनका पाठ्यक्रम के दौरान या बाद में कोर्स में रुचि नहीं थी। मास कम्युनिकेशन, ट्रैवल एंड टूरिज्म जैसे कार्यक्रम ग्रेजुएशन के ज्ञान का उपयोग कर और नया ज्ञान दे, एक छात्र के करियर को नयी दिशा दे सकते है। बिज़नेस जर्नलिज्म, मास कम्युनिकेशन करने के बाद एक अच्छा क्षेत्र है, जो एक छात्र को अपने दोनों पाठ्यक्रमों के ज्ञान का उपयोग करवाएगा।

खेल में करियर बनाने के लिए जरूरी हैं ये बातें

पिछले कुछ वर्षों से भारत में क्रिकेट के साथ-साथ टेनिस, हॉकी, कबड्डी, फुटबॉल आदि खेलों में भी युवाओं की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। आउटडोर व इनडोर खेले जाने वाले ऐसे तमाम स्पोर्ट्स हैं, जिनमें से आप अपनी पसंद के अनुसार किसी एक को चुनकर उसे अपना पैशन बना सकते हैं। अगर आप किसी खेल के दीवाने हैं, दिन-रात हर समय आंखों के सामने वही छाया रहता है, तो फिर अपने इस शौक को जुनून बनाने से पीछे न हटें। घर-परिवार को कनविंस करें, स्कूल-कॉलेज या क्लब की टीम में शामिल हों और हर मोर्चे पर सक्रिय रहते हुए अपनी अलग पहचान बनाएं। कुछ नया और अलग करने का प्रयास करके ही आप दूसरों की नजरों में आ सकते हैं और लगातार आगे बढ़ने का मौका हासिल कर सकते हैं। जरूरी नहीं कि आप क्रिकेट ही खेलें, आप अपनी पसंद के अनुसार हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी, टेनिस, तीरंदाजी, बॉक्सिंग, कुश्ती, वेटलिफ्टिंग आदि जैसे खेल या फिर शतरंज, टेबल टेनिस आदि जैसे इनडोर गेम्स को भी चुन सकते हैं।

आम से बनें खास

सचिन तेंडुलकर से लेकर महेंद्रसिंह धोनी और विराट कोहली तक तमाम खिलाड़ी सामान्य मध्यमवर्गीय परिवारों से निकले हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और जज्बे से दुनिया भर में देश का नाम रोशन किया। मगर ये युवा कामयाबी के शिखर पर इसलिए पहुंच पाए, क्योंकि इन्होंने जिस खेल को पसंद किया, उसमें पूरी तरह डूब गए। दिन-रात सीखते रहने के जज्बे से वे बिना रुके लगातार आगे बढ़ते गए। जिसके घर-परिवार, माता-पिता को शायद पूरा शहर भी नहीं जानता था, उसे देश क्या, दुनिया जानने पहचानने लगी। आप भी जो खेल पसंद करें, अगर उसमें अपनी पहचान बनाना चाहते हैं, तो उसे आधे-अधूरे मन से खेलने या टाइम-पास करने के बजाए रणनीति बनाकर उसमें आगे बढ़ें। माता-पिता को इसके लिए सहमत करें। आपकी प्रतिभा देख वे भी आपको आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

अति-आत्मविश्वास नहीं

तैयारी की दिशा में आगे बढ़ते हुए आपकी नजर हमेशा लक्ष्य पर होनी चाहिए। जरूरी नहीं कि लक्ष्य हमेशा एक ही रहे। एक उपलब्धि पाने के बाद स्वाभाविक रूप से आपका लक्ष्य उससे बड़ा हो जाता है। हां, एक बात हमेशा गांठ बांधकर रखें- अपनी उपलब्धियों को लेकर कभी भी अति-आत्मविश्वासी न हों। उपलब्धियों पर खुश जरूर हो लेकिन खुशी को कभी भी गुरूर न बनने दें।

सीखने को रहें तत्पर

किसी भी क्षेत्र में कभी कोई शत-प्रतिशत पूर्ण या पारंगत नहीं होता। ऐसे में सीखने के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए। आप किसी से भी सीख सकते हैं, फिर वह उम्र में आपसे बड़ा हो या छोटा। हो सकता है कि प्रतिद्वंद्वी टीम या उसके खिलाड़ी से आपको कुछ सीखने को मिल जाए। आप तभी सीख सकते हैं, जब आप इसके लिए उत्सुक रहेंगे। अपना दिमाग, आंखें और कान खुले रखेंगे।

हार से सबक

हो सकता है कि आप कभी किसी टीम या खिलाड़ी से बार-बार हार रहे हों। इससे आपकी हताशा बढ़ रही हो। आप अपना प्रदर्शन सुधारने के लिए जितना परेशान होते हैं, परिणाम और बुरा होता जाता है। अगर कभी ऐसा होता है, तो चिंतित होने के बजाए सबसे पहले यह सोचें कि आखिर आपसे चूक कहां हो रही है। आखिर ऐसी कौन-सी कमजोरी है, जिसका फायदा प्रतिद्वंद्वी को मिल रहा है? उस कमजोरी को तलाशें और थोड़ी अतिरिक्त मेहनत करके उस पर काबू पाएं। हो सके, तो इस बारे में किसी कोच या सीनियर खिलाड़ी की मदद भी लें।

पढ़ाई भी साथ-साथ

ऊपर के बदले हुए मुहावरे के अनुसार बेशक आज खिलाड़ी नाम कमाने के साथ-साथ खूब पैसा भी कमा रहे हैं लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि आप पढ़ाई को पूरी तरह भूलकर खेल में रम जाएं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने और हर तरह के लोगों से स्मार्ट कम्युनिकेशन के लिए एक स्तर तक पढ़ाई भी बेहद जरूरी होती है। आप देखेंगे कि दुनिया के तमाम सफल खिलाड़ी खेलों में जोरदार प्रदर्शन के साथ-साथ अपनी बातों को भी बेहद कुशलता के साथ सामने रखते हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि आप अपनी पसंद के खेल को समय देने के साथ-साथ पढ़ाई पर भी ध्यान दें।

मनेंद्रगढ़ को शिक्षा के क्षेत्र में नई सौगात, चैनपुर में बनेगा जवाहर नवोदय विद्यालय

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। मनेंद्रगढ़ शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर हो रहा है। क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी सौगात के रूप में जवाहर नवोदय विद्यालय की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ है। चैनपुर में इस विद्यालय के लिए 11.8 हेक्टेयर भूमि का चिन्हांकन किया गया है। कैबिनेट मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल के निरंतर प्रयासों से यह महत्वपूर्ण उपलब्धि संभव हो सकी है। उनके नेतृत्व में शिक्षा के क्षेत्र में नई क्रांति की शुरूआत हो रही है। जवाहर नवोदय विद्यालय की स्थापना से अब जिले के छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अपने ही जिले में मिल सकेगी। उन्हें उच्च स्तर की पढ़ाई के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे अभिभावकों की चिंता भी कम होगी और विद्यार्थियों का समग्र विकास संभव होगा। यह कदम मनेंद्रगढ़ क्षेत्र के शैक्षणिक विकास की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा और आने वाले वर्षों में यहां की नई पीढ़ी को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाएगा।

गैस पाइप लाइन परियोजना को मिली राहत, नपा के निर्णय को कलेक्टर ने किया निलंबित

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट द्वारा भारत सरकार की महत्वाकांक्षी सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन परियोजना को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। गैस पाइप लाइन परियोजना को राहत प्रदान करते हुए कलेक्टर ने नपा के निर्णय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। परियोजना कार्य के दौरान लोक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने एवं किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने की स्थिति में वैधानिक एवं दंडात्मक कार्रवाई किए जाने की बात भी कलेक्टर ने कही है। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड को नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ क्षेत्र में भूमिगत प्राकृतिक गैस पाइपलाइन बिछाने की अनुमति 15 मार्च 2024 को दी गई थी, जिसमें कार्य पूर्ण करने की 6 माह की शर्त अधिरोपित की गई थी। निर्धारित अवधि में कार्य पूर्ण न होने पर अनुमति निरस्त मानी जानी थी, लेकिन शर्तों के अनुसार भारत पेट्रोलियम द्वारा समयावधि बढ़ाने हेतु नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ को आवेदन प्रस्तुत किया गया था। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड छत्तीसगढ़-1 गैस टेरिटोरी द्वारा क्रमशः 5 सितंबर 2024 और 7 जून 2025 को विस्तार हेतु आवेदन प्रस्तुत किए गए, जिस पर नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ की साधारण बैठक 12 जून 2025 में समयावधि विस्तार के प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया गया, लेकिन निर्णय में कोई कारण नहीं दशार्या गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा 7 जुलाई 2025 को बीपीसीएल को निर्णय की सूचना दी गई, जिसे लेकर कलेक्टर कार्यालय द्वारा 9 जुलाई को मांगी गई स्पष्टीकरण पर नगर पालिका ने अपने निर्णय पर स्थिर रहने का पत्र प्रस्तुत किया। कलेक्टर कार्यालय द्वारा प्रस्तुत तथ्यों, दस्तावेजों और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के पत्र 4 जुलाई 2025 का अवलोकन करने पर यह तथ्य सामने आया कि यह परियोजना न केवल मनेंद्रगढ़ जिले बल्कि आगे चलकर कोरिया, सूरजपुर, सरगुजा एवं बलरामपुर तक विस्तारित होगी, जिससे इस परियोजना में वृहद जनहित निहित है। यह परियोजना भारत सरकार की एक राष्ट्रीय महत्व की योजना है, जिसे भारत पेट्रोलियम जैसा अर्धशासकीय लोक उपक्रम क्रियान्वित कर रहा है। यह भी स्पष्ट किया गया कि नगर पालिका परिषद द्वारा जारी मूल अनुमति में ही शर्त संख्या 14 के तहत अवधि विस्तार हेतु आवेदन देने का प्रावधान था, जिसकी पूर्ति बीपीसीएल द्वारा समय रहते कर दी गई थी, फिर भी परिषद द्वारा उसका निराकरण बिना किसी कारण के अस्वीकार करना न केवल प्रशासनिक रूप से अनुचित बल्कि वृहद जनहित की अवहेलना भी है। उपरोक्त समस्त तथ्यों और विश्लेषण के आधार पर कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी ने यह स्पष्ट किया है कि नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ का निर्णय संकुचित दृष्टिकोण और कारण रहित प्रस्ताव पर आधारित है, जो राष्ट्रीय हित एवं जनसाधारण की सुविधा के विपरीत है, इसलिए नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ की साधारण बैठक 12 जून 2025 के निर्णय को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

नियमों को दरकिनार कर बिछाए जा रहे गैस पाइप लाइन कार्य को नेता प्रतिपक्ष ने रूकवाया था

बता दें कि बीपीसीएल द्वारा किए जा रहे गैस पाइप लाइन बिछाने के कार्य पर सारे नियम-कायदों को ताक पर रखे जाने का आरोप लगाते हुए 12 जून को परिषद की बैठक में नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ के नेता प्रतिपक्ष पार्षद अनिल प्रजापति के द्वारा मुद्दा उठाते हुए कार्य पर रोक लगाया गया था। नेता प्रतिपक्ष ने कहा था कि नपा द्वारा कंपनी को दिए गए 6 माह की समयावधि में कार्य पूर्ण नहीं किया गया है। वहीं समयावधि बढ़ाने जाने की स्थिति में विभाग को दोबारा आवेदन करना था, लेकिन कंपनी के द्वारा अनुमति की शर्तों को भी दरकिनार कर दिया गया। कंपनी द्वारा तोड़ी गई सड़क में 5 इंच ढलाई करनी थी वहां मात्र 2 इंच ढलाई कर केवल खानापूर्ति की गई। उन्होंने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि सड़क खोदकर मरम्मत कार्य के लिए कंपनी को नपा को 1 करोड़ 30 लाख रूपए जमा करना था, लेकिन मात्र 89 लाख रूपए जमा किया गया है।

नपा के निर्णय को कलेक्टर द्वारा निलंबित किए जाने पर किसने क्या कहा -

नेता प्रतिपक्ष अनिल प्रजापति - यदि कलेक्टर साहब ही सब कुछ हैं तो परिषद की बैठक नहीं होना चाहिए। कलेक्टर साहब को ही नगर पालिका चलाने का पूरा पावर देना चाहिए, चुनाव नहीं होना चाहिए।

पार्षद अजय जायसवाल - शहर के विकास में जनप्रतिनिधियों का अहम योगदान होता है। कंपनी कुछ गलत कर रही थी तभी परिषद ने विरोध दर्ज कराया था और आगे भी परिषद गलत कार्यों का विरोध करेगी।

पत्रकार प्रशांत तिवारी - कलेक्टर का पद विवेकाधीन होता है। यह नहीं भूलना चाहिए कि वे संपूर्ण जिले के प्रशासक हैं। प्रशासनिक निर्णय के लिए बाध्य नहीं, स्वतंत्र हैं।

न्यूज गैलरी

अवैध रेत परिवहन करते 6 वाहन जप्त, 50 हजार जुमार्ना

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिला खनिज उड़नदस्ता दल एवं पुलिस विभाग ने 8 और 9 जुलाई को झगराखंड, तेंदूडांड और भल्लौर क्षेत्रों में बड़ी कार्रवाई करते हुए रेत एवं गिट्टी के अवैध परिवहन में लिप्त 6 वाहनों को जब्त किया है। संयुक्त दल ने हसदेव एवं हसिया नदी क्षेत्र का सघन निरीक्षण कर झगराखंड क्षेत्र से 4 ट्रैक्टर और 1 टिप्पर तथा भल्लौर क्षेत्र से 1 ट्रैक्टर वाहन को अवैध परिवहन में संलिप्त पाते हुए जब्त किया।

जप्त वाहनों में से 1 ट्रैक्टर वाहन को कलेक्टोरेट परिसर में तथा शेष 5 वाहनों को झगराखंड थाने में सुरक्षार्थ रखा गया है। सभी 6 वाहनों के विरुद्ध खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 से 23 के अंतर्गत विधिसम्मत कार्रवाई की गई है। इसके अतिरिक्त ग्राम बिछियाटोला में शिशुपाल पनिका के नाम से स्वीकृत खनिज रेत अस्थायी भंडारण अनुज्ञा की शर्तों के उल्लंघन पर छत्तीसगढ़ खनिज (खनन, परिवहन तथा भंडारण) नियम 2009 के उपनियम 7(4) के तहत कार्रवाई करते हुए 50 हजार का अर्थदंड अधिरोपित किया गया, जिसे खनिज मद में जमा कराया गया है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के दिशा-निर्देशों के अनुसार 10 जून से 15 अक्टूबर तक राज्य में रेत खनन पूर्णतः प्रतिबंधित है। बावजूद इसके कुछ क्षेत्रों में अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है।

धरती आबा अभियान से आदिवासी परिवारों को मिल रही योजनाओं की सौगात

154 ग्रामों में आधार, आयुष्मान, राशन कार्ड, बीमा और स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ, पोषण वाटिकाएं भी बन रहीं

कोरिया बैकुंठपुर - कोरिया जिले में १५ जून से १५ जुलाई तक चलाए जा रहे धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत जिले के १५४ आदिवासी ग्रामों में शासन की योजनाओं का व्यापक क्रियान्वयन किया जा रहा है। सोनहत और बैकुंठपुर विकासखंड के इन गांवों में हजारों पात्र परिवारों को आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, पेंशन, श्रम कार्ड, जॉब कार्ड और बीमा योजनाओं से जोड़ा जा रहा है।

जनपद पंचायत सोनहत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जानकारी दी कि विकासखंड में २,६२६ लक्षित परिवारों और ९,३२० जनसंख्या के लिए योजनाएं संचालित की जा रही हैं। राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवेदन लिया गया है, मनरेगा जॉब कार्ड, जीवन ज्योति बीमा और सुरक्षा बीमा योजना का लाभ दिया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक पेंशन योजना के तहत ८५ आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से २८ स्वीकृत हुए, ७ अपात्र पाए गए और शेष प्रक्रियाधीन हैं। साथ ही, १११ जाति प्रमाण पत्र और १०० निवास प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं।

इस अभियान के तहत स्वास्थ्य सेवाओं को भी ग्रामीणों तक पहुँचाया जा रहा है। टीबी एवं सिकलसेल की जांच की जा रही है और जरूरतमंदों को उपचार से जोड़ा जा रहा है साथ ही आयुष विभाग द्वारा निःशुल्क जाँच उपरांत दवाई वितरण भी किया जा रहा है। बैकुंठपुर एसडीएम से प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड में अब तक २३ क्षय रोग के सक्रिय मरीज चिन्हित किए गए हैं। वहीं, ३९१ जाति प्रमाण पत्र, ३६१ निवास प्रमाण पत्र और २६९ राशन कार्ड बनाए गए हैं। पोषण सुरक्षा की दिशा में २,८३७ पोषण वाटिकाएं भी तैयार की गई हैं। साथ ही, मिशन इंद्रधनुष के अंतर्गत टीकाकरण कार्यक्रम भी चलाया जा रहा है। अभियान की प्रगति की ऑनलाइन निगरानी के लिए धरती आबा पोर्टल बनाया गया है।

अभियान का उद्देश्य दूरस्थ आदिवासी अंचलों के पात्र परिवारों को सीधे शासन की योजनाओं से जोड़ना है, ताकि वे सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बन सकें।

खाद संकट से नहीं उबर पा रहे किसान

सहकारी समिति में डीएपी के साथ अब एनपीके का भी किल्लत

जनकपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। खरीफ बोनी कृषि कार्य में खाद की किल्लत से किसान सांसत में हैं। इस सीजन में भरतपुर विकासखंड के सहकारी समितियों में किसानों को खाद का संकट झेलना पड़ रहा है। खाद संकट से इस वर्ष किसान परेशान हैं।

पिछले सीजन में खरीफ के समय जोताई बोवाई के पूर्व किसान डीएपी यूरिया जैसे महत्वपूर्ण खाद अपने घरों में लाकर रख लिए थे, लेकिन किसानो का कहना है की इस बार डीएपी खाद उपलब्ध नहीं हुआ। उसके विकल्प के रूप में एनपीके दिया जा रहा है वह भी किसानों की आवश्यकता से बेहद कम। कई किसानों को वह भी नहीं मिल सका। जो खाद उपलब्ध कराई गई है वह भी ऊंट के मुंह में जीरा के समान है। कुछ कृषकों को थोड़ा बहुत खाद मिला है बाकी सोसायटी का चक्कर लगा रहे हैं। खाद के गहराते संकट के बीच सहकारी समिति सिंगरौली में खाद वितरण में धांधली को लेकर पिछले हफ्ते किसानों में बेहद आक्रोश देखने को मिला। कृषको ने सिंगरौली के गोदाम में ताला जड़ दिया था। अधिकारियों की टीम ने बड़ी मुश्किल से किसानों को समझाकर मामले को शांत कराया। सिंगरौली समिति के किसानो ने सहकारी समिति प्रबंधक पर खाद की बोरी रात को गोल करने का आरोप लगाते हुए जमकर बवाल काटा। यहां के किसान राजू कंवर एवं रामसजीवन आदि ने खाद की किल्ल्त के बारे बताया। अन्नदाताओं ने कहा कि इस वर्ष किसानों को खाद संकट से जूझना पड़ रहा है। सहकारी समिति में शुरू से खाद का अभाव है। बीच में कुछ खाद आई थी वह भी ऊंट के मुंह में जीरा के समान रहा। यही हाल जनकपुर सहकारी समिति का भी है यहां एनपीके भी खत्म है। बाकी खाद से वंचित किसान अभी भी खाद के लिये भटक रहे हैं। खेती की शुरूआत में किसानों को डीएपी या उसके विकल्प के रूप में अन्य खाद की आवश्यकता थी, लेकिन स्टॉक शून्य होने से किसानों को खाद संकट से गुजरना पड़ा रहा है। स्थानीय समिति में यूरिया का भंडारण पर्याप्त बताया जा रहा है। पिछले दिनों काफी संख्या में कृषक खाद लेने समिति पहुंचे, लेकिन डीएपी की जगह थोड़ी बहुत एनपीके खाद ही काम चलाने को मिल सका। कोटाडोल समिति के किसान राजकरण यादव का कहना है की भरतपुर विकासखंड में डीएपी की मांग किसानों द्वारा की जा रही है, लेकिन आवश्यकता से बेहद कम एनपीके खाद देकर पल्ला झाड़ा जा रहा है। खाद संकट के कारण किसानों में नाराजगी देखी जा रही है।

सुने मकान में दिन दहाड़े चोरों ने पार किया नगदी समेत जेवरात

बिश्रामपुर - खेत में काम करने गए एक किसान के सुने मकान में अज्ञात चोरों ने दिन दहाड़े धावा बोल करीब पचास हजार रुपए के नगदी समेत जेवरात चोरी कर लिया है। जयनगर पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत तेलईकछार कोकासबहरा निवासी किसान रमाशंकर राजवाड़े पिता ननका राम शनिवार की सुबह सात बजे पूरे परिवार के साथ खेत में काम पर चला गया था। इसी बीच दोपहर एक बजे जब वापस घर लौटा तब देखा घर के मुख्य द्वार का ताला टूटा हुआ था। उसने घर के अंदर जाकर देखा तो अज्ञात चोरों ने पेटी में रखे करीब बीस हजार रुपए नगदी समेत तीन नग सोने का मोहर, एक नग कान का झुमका, एक जोड़ी पायल को चोरी कर लिया है। पीड़ित किसान ने तत्काल मामले की सूचना जयनगर पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों हेतु समसामयिक सलाह जारी

रायपुर। प्रदेश भर में हो रही वर्षा को ध्यान में रखते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा किसानों को विभिन्न फसलों के प्रबंधन हेतु समसामयिक सलाह जारी की गई है। कृषि विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान सेवाएं द्वारा जारी समसामयिक सलाह के अनुसार टमाटर की खड़ी फसल की पत्तियों या तनों पर भूरे या काले रंग के धब्बे या झुलसन दिखने पर रिडोमिल एम जेड 72 प्रतिशत डब्ल्यू पी (मेटालेक्सिल+मेन्कोजेब) या अन्य समान फफूंदनाशक का 2 ग्राम/लीटर पानी की दर से खुले मौसम में छिड़काव करें। सब्जियों की पौधशाला में जमीन की सतह से 6 इंच ऊची क्यारीयां बनायें। क्यारियों के दोनों ओर नाली बनाकर जल-निकासी का प्रबन्ध करें। सब्जियों की पौधशाला में क्यारियों का भूमि उपचार केप्टान 50 प्रतिशत डब्ल्यू पी या एलियेट 80 प्रतिशत डब्ल्यू पी या रिडोमिल या अन्य समान फफूंदनाशक द्वारा 2.5 ग्राम/लीटर पानी की दर से फ्लेट फेन (कट नोजल) नोजल का उपयोग कर छिड़काव करें। जिससे पूरी क्यारी घोल से तर हो जावे। भूमि उपचार के 3-5 दिन बाद सब्जियों के बीजों को रिडोमिल (1 ग्रा./प्रति किलो बीज) या अन्य समान फफूंदनाशक से उपचारित कर बोयें। सब्जियों की पौधशाला में छोटी-छोटी पौध को आर्द्रगलन रोग से बचाने हेतु क्यारियों से पानी निकास का प्रबन्ध करें तथा एलियेट 80 डब्ल्यू पी/रिडोमिल अन्य समान फफूंदनाशक का 2.0 ग्राम/लीटर पानी की दर के से पौध के भूमि से लगे तनों पर छिड़काव करें। कद्दूवर्गीय सब्जियों की पत्तियों पर धब्बे या अंगमारी रोग लक्षण दिखने पर सॉफ सुपर (मेन्कोजेब 63 प्रतिशत + कार्बेन्डाजिम 12 प्रतिशत डब्ल्यू पी) अथवा कवच (क्लोरोथेलोनिल 75 प्रतिशत डब्ल्यू पी) या अन्य समान फफूंदनाशक का 2.0 ग्राम/लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

डीएवी विद्यालय में तीन दिवसीय चतुर्वेद शतकम परायण यज्ञ का आयोजन

बिश्रामपुर आर्य प्रादेशिक सभा नई दिल्ली के तत्वावधान में डीएवी. पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर में ९ जुलाई से ११ जुलाई २०२५ तक तीन दिवसीय चतुर्वेद शतकम परायण यज्ञ का श्रद्धाभाव से आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के शिक्षक प्राचार्य एचके पाठक, वरिष्ठ अध्यापक ए एम चौबे, डी के तिवारी व वरिष्ठ शिक्षिका शोभा नामदेव यजमान के रूप में सम्मिलित हुए। यज्ञ के तृतीय दिवस में पूणार्हुति की गई, जिसमें विद्यालय के समस्त अध्यापक - अध्यापिकाएँ और विद्यार्थीगण पूरे मनोयोग एवं श्रद्धा भाव से शामिल हुए। विद्यालय के संस्कृत आचार्य बलवीर त्रिपाठी, हीरा लाल व अमूल्य भोई के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण कर यज्ञ को विधिवत पूर्ण कराया गया। संगीत शिक्षक नासिर खान के निर्देशन में विद्यालय के छात्र - छात्राओं द्वारा संगीतमय भजनों की मनोरम प्रस्तुति ने सबको भावविभोर कर दिया।

विद्यालय प्राचार्य पाठक ने विद्यालय परिवार के सवस्थ एवं सुखी जीवन की मंगल कामना करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि चतुर्वेद शतकम पारायण यज्ञ एक धार्मिक अनुष्ठान है जिसमें चारों वेदों के मंत्रों का पाठ किया जाता है। यह इसका उद्देश्य वेदों के ज्ञान का प्रसार करना और वातावरण को शुद्ध करना है। इस यज्ञ में भाग लेने वाले लोग यज्ञ के दौरान आहुति देते हैं और मंत्रों का पाठ करते हैं, जिससे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं एसईसीएल. बिश्रामपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक डॉ संजय सिंह ने समस्त विद्यालय परिवार के सुखमय जीवन की मंगलकामनाएं की । आयोजन को सफल बनाने में समस्त विद्यालय परिवार का प्रशंसनीय योगदान रहा। सामूहिक शांति पाठ के साथ आयोजन का समापन हुआ।

गड्ढा भराई एवं पौधारोपण का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न

कोरिया पांडवपारा। वाटरशेड आर्गनाइजेशन ट्रस्ट द्वारा परियोजना ग्रामों में गड्ढा भराई एवं पौधारोपण प्रक्रिया पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह प्रशिक्षण विशेष रूप से किसानों को वैज्ञानिक विधियों से पौधारोपण के प्रति जागरूक करने हेतु आयोजित किया गया था।

मुरमा ग्राम में आयोजित इस प्रशिक्षण में कुल ६२ किसान उपस्थित रहे। उन्हें पौधारोपण से पहले गड्ढा भरने की विधि, खाद के सही उपयोग, और पौधे लगाने की तकनीक विस्तार से समझाई गई। इस अवसर पर गड्ढा भराई में प्रयोग होने वाली खाद भी किसानों के बीच वितरित की गई।

कार्यक्रम में ड्डह्लझ्क्र संस्था से परियोजना प्रबंधक अंशुल सिंह, अभियंता सुश्री कामिनी साहू, कम्युनिटी मोबिलाइजर सूरज यादव, समस्त वसुंधरा सेवक एवं ग्रामवासी किसान उपस्थित रहे।

मुरमा ग्राम में भी इसी श्रृंखला के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें किसानों को पौधों के माध्यम से आयवर्धन की दिशा में प्रेरित किया गया। इस गतिविधि में एक चयनित किसान को ६० आम के पौधे एवं १५० महोगनी के पौधे प्रदान किए जाएंगे, ताकि वह व्यावसायिक रूप से आम का बागान लगाकर आजीविका में वृद्धि कर सके।

किसानों ने इस प्रशिक्षण को अत्यंत लाभकारी बताया। ग्राम टेमरी के किसान ने कहा, ₹अब हमें समझ आ गया है कि गड्ढा सही तरह से कैसे तैयार करना है। इससे पौधों की ग्रोथ अच्छी होगी और फल भी बेहतर आएंगे। वहीं गढ़तर के किसान ने कहा, ₹ड्डह्लझ्क्र संस्था से जो तकनीकी जानकारी मिली वह हमारे लिए बहुत उपयोगी है। हम अपने खेत में इन तरीकों को अपनाकर आय बढ़ाएंगे। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल किसानों को पर्यावरणीय जागरूकता से जोड़ते हैं, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी प्रेरित करते हैं।

नागरिक जिम्मेदारी और कानून की जानकारी से अवगत हुए छात्र, स्कूल में सिविल लिटरेसी कैंप का आयोजन

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। सेंट पैट्रिक्स एकेडमी मनेंद्रगढ़ के परिसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सौजन्य से सिविल लिटरेसी कैंप का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य छात्रों में कानूनी जागरूकता और नागरिक कर्तव्यों के प्रति समझ विकसित करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विवेक कुमार तिवारी प्रथम श्रेणी अपर जिला न्यायाधीश मनेंद्रगढ़ रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें न्यायिक क्षेत्र में उनके योगदान और जन शिक्षा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को सम्मानपूर्वक रेखांकित किया गया। विद्यालय के प्राचार्य ब्रदर शाजू थॉमस, वरिष्ठ समन्वयक निशा और अन्य शिक्षकों द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। न्यायाधीश तिवारी ने कानूनी साक्षरता के महत्व, लोकतंत्र में नागरिकों की भूमिका तथा भारतीय न्याय व्यवस्था की मूल संरचना पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों को अपने मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग रहने हेतु प्रेरित किया और यह बताया कि किस प्रकार विधिक ज्ञान व्यक्ति को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सशक्त बनाता है। सत्र को संवादात्मक और प्रेरणादायक बनाने के लिए उन्होंने वास्तविक जीवन के उदाहरणों और उदाहरणात्मक चचाओं के माध्यम से विषय को प्रस्तुत किया, जिससे छात्र अत्यंत प्रभावित और जागरूक हुए। कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कई विचारशील प्रश्न पूछे, जिनका उत्तर न्यायाधीश ने सहजता और उत्साह के साथ दिया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय के प्राचार्य ब्रदर शाजू थॉमस ने न्यायाधीश के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके बहुमूल्य समय और ज्ञान से विद्यार्थियों को जो दिशा मिली है वह अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने यह भी दोहराया कि विद्यालय केवल शैक्षणिक विकास पर ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को उत्तरदायी नागरिक बनाने की दिशा में भी प्रतिबद्ध है।

नईदिल्ली,12 जुलाई। भारतीय मूल के अमेरिकी टेनिस स्टार रोनित कार्की इन दिनों काफी चर्चे में हैं. जिसकी वजह उनका जूनियर विंबलडन 2025 में शानदार प्रदर्शन करना है. 17 वर्षीय रोनित अब जूनियर विंबलडन 2025 के फाइनल में पहुंच गए हैं. उन्होंने शुक्रवार, 11 जुलाई को सेमीफाइनल में बुल्गारिया के अलेक्जेंडर वासिलेव से पहला सेट 7-5 से हारने के बाद लगातार दो सेट 6-4 और 6-1 से जीतकर फाइनल में धमाकेदार एंट्री मारी है. अब खिताबी मुकाबले में रोनित का सामना बुल्गारिया के ही 16 वर्षीय इवान इवानो से होगा. ये मैच कल यानी रविवार, 13 जुलाई को खेला जाएगा. भारतीय फैंस रोनीत की जीत की दुआ करेंगे क्योंकि उनका नाता भारत के उत्तराखंड से भी है. खास बात ये है कि रोनित कार्की 12 वीं कक्षा के छात्र हैं और वो विश्व जूनियर टेनिस फेडरेशन में 51 वीं रैंक पर हैं. उन्होंने जूनियर विंबलडन में क्वालीफायर राउंड मुकाबले जीतकर टूर्नामेंट में कदम रखा था.

Sport अम्बिकावाणी 07

रायपुर, रविवार 13 जुलाई , 2025

इंग्लैंड 387 पर आउट, बुमराह ने लिए 5 विकेट, राहुल के अर्धशतक की बदौलत भारत ने बनाए 145 रन

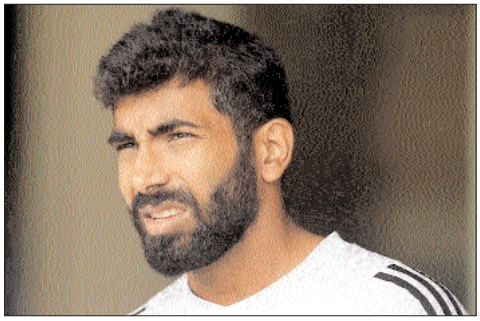

लॉर्ड्स,12 जुलाई। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट मैच लॉर्ड्स में खेला जा रहा है. इस मैच के दूसरे दिन इंग्लैंड ने 4 विकेट पर 251 रनों से आगे अपनी पारी शुरू की. लेकिन भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों के लिए दूसरे दिन की शुरूआत निराशाजनक कर दी.

जसप्रीत बुमराह के फाइव विकेट हॉल के चलते इंग्लैंड पहली पारी में 112.3 ओवर में 387 रन पर ऑलआउट हो गई. इसके बाद भारतीय क्रिकेट टीम ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 43 ओवर में 3 विकेट खोकर 145 रन बना लिए हैं.

जसप्रीत बुमराह ने शानदार बॉलिंग करते हुए पहले दिन की शुरूआत में ही 3 विकेट हासिल कर लिए. बुमराह ने दूसरा दिन का पहला विकेट भारत को इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स के रूप में दिलाया. उन्होंने स्टोक्स को 44 रनों के स्कोर पर क्लीन बोल्ड कर दिया. इसके बाद बुमराह ने 88वें ओवर की पहली गेंद पर 104 रनों बना चुके जो रूट को क्लीन बोल्ड कर दिया और ओवर की दूसरी बॉल पर क्रिस वोक्स (0) पवेलियन भेज दिया. इसके बाद भारत को पहले सेशन में कोई और विकेट नहीं मिला और इंग्लैंड ने 105 ओवर में 7 विकेट खोकर 353 रन बनाए. ब्रायडन कार्स 33 और जेमी स्मिथ 51 पर नाबाद रहे. भारत ने दूसरे सेशन में इंग्लैंड को ऑल आउट कर दिया. सिराज ने जेमी स्मिथ 51 को पवेलियन भेजकर भारत को आठवां विकेट दिलाया. इसके बाद जोफ्रा आर्चर को बुमराह ने 4 रनों पर बोल्ड कर अपना फाइव विकेट हॉल हासिल किया. सिराज ने ब्रायडन कार्स 56 को आउट कर इंग्लैंड की पारी को 387 पर समेट दिया.

इसके बाद भारत के लिए पारी की शुरूआत करने के लिए यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल आए. जायसवाल 13 रन बनाकर आर्चर का शिकार बने. इसके बाद दूसरे सेशन के अंत तक यानी लंच तक राहुल 13 और करुण नायर 18 ने 1 विकेट गंवाकर 44 रन बना लिए थे.

भारत ने तीसरे सेशन में करुण नायर 40 और शुभमन गिल 16 के रूप में दो बड़े झटके लगे. इसके बाद एक छोर संभालने वाले केएल राहुल ने अपना अर्धशतक पूरा किया. राहुल ने 97 बॉल का सामना करते हुए 5 चौकों की मदद के साथ अर्धशतक पूरा किया. इसके साथ ही भारत ने राहुल के नाबाद 53 और ऋषभ पंत के नाबाद 19 रनों के चलते तीसरे दिन के 145 रन बना लिए हैं.

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहले दिन 83 ओवर में 4 विकेट गंवाकर 251 रन बनाए. बेन डकेट ने 23 और जैक क्रॉली ने 18 रन बनाए. इसके बाद ओली पोप 44 और हैरी ब्रूक 11 रनों के निजी स्कोर पवेलियन लौट गए. पहले दिन के अंत तक जो रूट ने 99* और बेन स्टोक्स ने 39* रन बनाए थे. भारत के लिए नीतीश कुमार रेड्डी ने दो विकेट लिए जबकि जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा ने एक-एक विकेट लिया.

जोकोविच सेमीफाइनल में हारे, फाइनल में भिड़ेंगे दो उभरते हुए युवा खिलाड़ी

नईदिल्ली,12 जुलाई। इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर ने शुक्रवार, 12 जुलाई को विंबलडन 2025 के पुरुष एकल सेमीफाइनल में महान खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को हराकर फाइनल में जगह बना ली है. विश्व नंबर-1 सिनर ने सर्बियाई स्टार जोकोविच को सीधे सेट 6-3, 6-3 और 6-4 से मात दी. क्वार्टर फाइनल में चोट लगने का असर 38 वर्षीय जोकोविच की मूवमेंट पर साफ नजर आ रहा था, जबकि सिनर ने एक घंटे 55 मिनट तक चले सेमीफाइनल में जीत दर्ज करने में अपनी पूरी क्षमता दिखाई.

इसके साथ सिनर लगातार चार ग्रैंड स्लैम (ऑस्ट्रेलियन ओपन, यूएस ओपन, फ्रेंच ओपन और विंबलडन) के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं. उन्होंने रोजर फेडरर का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जो उन्होंने 24 साल की उम्र में 2006 में बनाया था. इसके अलावा सिनर चारों ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी भी हैं, उनसे आगे केवल जिम क्रियर (22 वर्ष, 308 दिन) हैं.

23 वर्षीय सिनर ने अब 38 वर्षीय जोकोविच के खिलाफ लगातार पांच मैच जीते हैं, जिसमें ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल (ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024, फ्रेंच ओपन और विंबलडन 2025) में जीत भी शामिल है. इस के अलावा यूएस ओपन और ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन में भी सिनर ने जोकोविच को हराया है. इसके साथ सिनर जोकोविच के खिलाफ लगातार नौ सेट जीतने वाले पहले खिलाड़ी भी बन गए हैं, उन्होंने फेडरर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. जो उन्होंने 2006 और 2007 में जोकोविच के खिलाफ लगातार 7 सेट जीतने का बनाया था.

जो रूट ने सचिन तेंदुलकर के क्लब में मारी एंट्री, भारत के खिलाफ शतक लगाकर रचा इतिहास

नई दिल्ली,12 जुलाई। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने शुक्रवार को भी अपने 37वें टेस्ट शतक के साथ रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराने का सिलसिला जारी रखा. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन अपना शतक पूरा किया और राहुल द्रविड़ और स्टीव स्मिथ को पीछे छोड़ दिया, जिनके 36वें टेस्ट शतक हैं.

इससे पहले जो रूट भारत के खिलाफ पहले दिन 3000 टेस्ट रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बने थे. अब जो रूट सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले बल्लेबाजों में पांचवें स्थान पर हैं. रूट सचिन तेंदुलकर, जैक कैलिस, रिकी पोंटिंग और कुमार संगकारा के क्लब में एंट्री मार चुके हैं.

इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने अपने टेस्ट करियर का 37वां शतक लगाकर खुद को एक खास क्लब में शामिल कर लिया है. रूट पहले दिन 99 रन बनाकर नाबाद रहे और उन्होंने दिन का पहला रन बनाते ही शतक पूरा कर लिया. दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर कर लिया है.

रूट और कुमार संगकारा के नाम 38 टेस्ट शतक हैं. रूट को संगकारा की बराबरी करने के लिए एक शतक लगाने के जरूरत है. भारत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर 51 टेस्ट शतकों के साथ शीर्ष पर हैं, उनके बाद जैक्स कैलिस (45 टेस्ट शतक) और रिकी पोंटिंग (41 टेस्ट शतक) का नंबर आता है. इस सूची में शामिल शीर्ष पांच खिलाड़ी अपनी-अपनी टीमों के कप्तान रह चुके हैं.

छोटी खबरें

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर का कमाल, इटली को पहली बार टी20 वर्ल्ड कप में पहुंचाकर रचा इतिहास

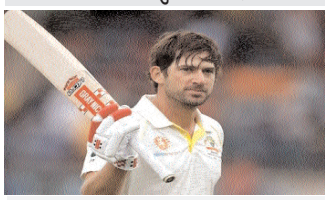

नईदिल्ली,12 जुलाई। आईसीसी पुरुष टी 20 विश्व कप 2026 के क्वालीफायर मैच में इटली ने शानदार प्रदर्शन से सबई प्रतिष्ठित टीमों को चौंका दिया है. पूर्व ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाज जो बर्न्स के अगुवाई में इटली ने पहली बार टी 20 वर्ल्ड कप में एंट्री मारकर इतिहास रचा दिया है. हेग में अपने अंतिम क्वालीफायर मैच में नीदरलैंड से हारने के बावजूद, इटली वर्ल्ड कप का टिकट पाने में कामयाब रही, क्योंकि इसका नेट रन रेट जर्सी से बेहतर था.

क्वालीफिकेशन में इटली का अभियान ग्वेनसे पर सात विकेट से जीत के साथ शुरू हुआ, और जर्सी के खिलाफ उनका मैच बारिश के कारण रद्द हो गया. हालांकि, यूरोपीय टीम के लिए सबसे महत्वपूर्ण परिणाम स्कॉटलैंड के खिलाफ रहा, जहां उन्होंने 12 रनों से जीत हासिल की. इटली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 167 का स्कोर बनाने के बाद स्कॉटलैंड को 155 पर ही रोक दिया. लेकिन उनको नीदरलैंड के खिलाफ 9 विकेट से हार का सामना करना पड़ा. फिर भी टीम ने जर्सी से बेहतर नेट रन रेट के आधार पर नीदरलैंड के साथ बड़े टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर लिया.

इटली क्रिकेट टीम के कप्तान जो बर्न्स एक पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं. उन्होंने 2014 से 2020 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 23 टेस्ट मैच और 6 वनडे मैच खेले, जिसमें 36.97 की औसत से 1,442 टेस्ट रन बनाए. बर्न्स ने 2024 में अपने भाई, डोमिनिक बर्न्स को खो दिया, जो इटली में अपनी नाना नानी के साथ रहता था. यह बर्नस के करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ. क्योंकि उन्होंने अपने भाई के सम्मान में, इटली जाने का फैसला किया और भाई की जर्सी नंबर 85 पहनकर इतालवी राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का फैसला किया.

2026 का संस्करण अब तक का सबसे बड़ा टी20 विश्व कप होगा, जिसमें 20 टीमें भाग लेंगी. इससे पहले 2024 टी20 विश्व कप में 16 टीमों ने भाग लिया था. इटली 2026 संस्करण में भाग लेने वाली 15वीं टीम बन गई है. तीन और टीमें पूर्वी एशिया प्रशांत क्वालीफायर से क्वालीफाई करेंगी, जबकि दो टीमें अफ्रीका क्वालीफायर के माध्यम से क्वालीफाई करेंगी. अब तक क्वालीफाई करने वाली टीमें: भारत, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, कनाडा, आयरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, अमेरिका, वेस्टइंडीज, नीदरलैंड और इटली. बता दें कि 2026 का टी 20 वर्ल्ड कप भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेला जाएगा.

टेस्ला का पहला भारतीय 'एक्सपीरियंस सेंटर 15 जुलाई को मुंबई में खुलेगा

नई दिल्ली ,11 जुलाई । एलन मस्क के स्वामित्व वाली किफायती सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक भारत में अपनी सेवाएं शुरू करने की तैयारी कर रही है, वहीं उनका दूसरा वेंचर, इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला भी इसी महीने से देश में अपना परिचालन शुरू करने के करीब पहुंच रही है। हालांकि, कंपनी फिलहाल देश में मैन्युफैक्चरिंग नहीं कर रही है, लेकिन वह 15 जुलाई को मुंबई में अपना पहला शोरूम खोलने वाली है। 'एक्सपीरियंस सेंटरइ कहे जाने वाले इस टेस्ला शोरूम को आर्थिक राजधानी में 4,000 वर्ग फुट के रिटेल स्पेस में बनाया गया है, जो शहर में अमेरिकी टेक दिग्गज एप्पल के फ्लैगशिप स्टोर के करीब है। यह कदम टेस्ला की भारत में व्यापक विस्तार रणनीति का हिस्सा है। जून में, कंपनी ने मुंबई के कुर्ला पश्चिम में एक कमर्शियल स्पेस लीज पर लिया था, जिसके वाहन सेवा केंद्र के रूप में काम करने की उम्मीद है। टेस्ला की अब भारत में चार कमर्शियल प्रॉपर्टीज हैं, जिनमें पुणे में

व्यापार

बायर ने धान की फसल को शीथ ब्लाइट से बचाने के लिए लॉन्च किया फेलुजीत

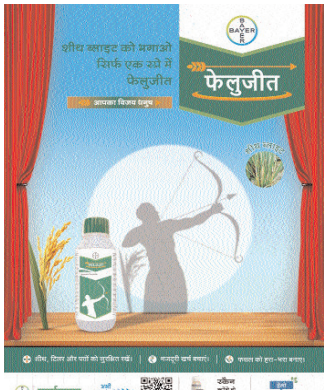

रायपुर, कृषि और स्वास्थ्य क्षेत्र में लाइफ साइंस की अग्रणी वैश्विक कंपनी बायर ने फंगीसाइड (फफूंदनाशक) च्फेलुजीतज लॉन्च करने की घोषणा की है। इसे धान के खेत में फसल के सभी हिस्सों को शीथ ब्लाइट से बचाने के लिए तैयार किया गया है। इस उत्पाद को जुलाई से देश के सभी प्रमुख धान उत्पादक राज्यों में उपलब्ध कराया जाएगा।

भारत, बांग्लोदश एवं श्रीलंका में बायर के क्रॉप साइंस डिवीजन के क्लस्टर कॉमर्शियल लीड मोहन बाबू ने कहा, च्फेलुजीत एक प्रभावी समाधान है, जिससे शीथ ब्लाइट को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है। इससे किसानों के लिए पूरी प्रक्रिया सुगम हो जाएगी। चावल वैश्विक खाद्य सुरक्षा में अहम भूमिका निभाता है, ऐसे में हमारी यह नवाचार किसानों को कम स्प्रे में अधिक प्रभावी रोग नियंत्रण की सुविधा देता है, जिससे वे अपने संसाधनों का बेहतर प्रबंधन कर पाते हैं और बढ़ती कृषि चुनौतियों के बीच अपनी आय में भी वृद्धि कर सकते हैं। ज्

कृषि क्षेत्र कीटों और रोगों से जुड़ी लगातार बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रहा है, ऐसे समय में बेयर का 'फेलुजीत' धान की मिट्टी जनित शीथ ब्लाइट बीमारी के प्रबंधन के तौर-तरीकों में क्रांतिकारी बदलाव लाने की क्षमता रखता है। 'फेलुजीत' पेनफ्लूफेन और टेबुकोनाजोल की विशेष संयोजन तकनीक से युक्त है। डुअल एक्शन फॉर्मूलेशन की अपनी खूबी की मदद से यह फंगीसाइड पौधे के प्रत्येक हिस्से में शीथ ब्लाइट को बढ़ने से रोकता है। इससे किसानों को एक भरोसेमंद समाधान मिलेगा और फसल की उत्पादकता एवं गुणवत्ता दोनों में सुधार होगा।

फेलुजीत के एक बार के छिड़काव से ही बेहतर नतीजे मिलेंगे। यह बाजार में उपलब्ध मौजूदा समाधानों की तुलना में दोगुना प्रभावी है। यानी किसान बार-बार छिड़काव के बिना ही इस बीमारी को प्रभावी तरीके से रोक सकेंगे। इससे समय और श्रम की लागत, दोनों में बचत होगी।

फेलुजीत की असल खूबी इसके डुअल एक्शन फॉर्मूलेशन में छिपी है। इसमें राइजोक्टोनिया को नियंत्रित करने के लिए दो एक्टिव इनग्रेडिएंट्स का प्रयोग किया गया है। राइजोक्टोनिया ही शीथ ब्लाइट का प्रमुख कारण है। इस इनोवेटिव तरीके से न केवल प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित होता है, बल्कि इससे छिड़काव की संख्या कम करते हुए सस्टेनेबल फार्मिंग प्रैक्टिस को भी बढ़ावा मिलता है।

३२० मिलीलीटर और १ लीटर की सुविधाजनक पैकिंग में उपलब्ध फेलुजीत शील्ड ब्लाइट से लड़ने की दिशा में एक

हाईवे पर गाड़ी चलाने वाले ध्यान दें, ब्लैकलिस्ट होंगे

नई दिल्ली ,12 जुलाई । सुचारू टोल संचालन सुनिश्चित करने और 'लूज फास्टैग की रिपोर्टिंग को मजबूत करने के लिए, एनएचएआई ने शुक्रवार को कहा कि उसने टोल संग्रह एजेंसियों और रियायतकर्ताओं के लिए 'लूज फास्टैग की तुरंत रिपोर्ट करने और ब्लैकलिस्ट करने के लिए अपनी नीति को और सुव्यवस्थित किया है। लूज फास्टैग को आमतौर पर टैग-इन-हैंड भी कहा जाता है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बयान में कहा कि वार्षिक पास प्रणाली और मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) टोलिंग जैसी आगामी पहलों को देखते हुए, फास्टैग की प्रामाणिकता और प्रणाली की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए इस मुद्दे का समाधान करना आवश्यक है। बयान में आगे कहा गया कि कभी-कभी वाहन मालिक जानबूझकर वाहन के विंडस्क्रीन पर फास्टैग नहीं लगाते। इससे परिचालन सम्बंधी चुनौतियां पैदा होती हैं, जिससे लेन में भीड़भाड़, झूठे चार्जबैक, बंद टोल प्रणाली में दुरुपयोग, इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह व्यवस्था में बाधा आती है, जिसके परिणामस्वरूप टोल प्लाजा पर अनावश्यक देरी होती है और राष्ट्रीय राजमार्ग के अन्य उपयोगकर्ताओं को असुविधा होती है।

भारत का स्वर्ण भंडार 34.2 करोड़ डॉलर बढ़ा, विदेशी मुद्रा भंडार 699.736 अरब डॉलर पर !

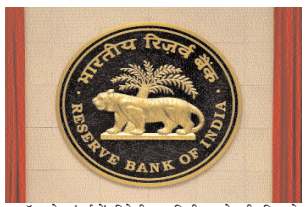

नई दिल्ली ,12 जुलाई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी नवीनतम साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, देश का स्वर्ण भंडार सप्ताह के दौरान 34.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 84.846 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

सोने के साथ-साथ, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 3.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.868 अरब डॉलर हो गए।

इसके अतिरिक्त, आंकड़ों के अनुसार, आईएमएफ में भारत का आरक्षित भंडार भी 10.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.735 अरब डॉलर हो गया। भंडार में यह वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब घरेलू और वैश्विक सराफा बाजारों में भारी तेजी देखी जा रही है। आरबीआई ने कहा कि 4 जुलाई को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 699.736 अरब डॉलर रहा। पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में, कुल मुद्रा भंडार 4.849 अरब डॉलर बढ़कर 702.784 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर 2024 के अंत में यह भंडार 704.885 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया था।

डॉलर के संदर्भ में, विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए) में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी इकाइयों के मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। शुक्रवार को भारत में सोने और चांदी की कीमतों में जबरदस्त वृद्धि हुई और चांदी की कीमतें सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गईं। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 24 कैरेट सोने की कीमत 465 रुपए बढ़कर 97,511 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई, जो एक दिन पहले 97,046 रुपए थी। 22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 89,320 रुपए प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट सोने की कीमत 73,133 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। इस बीच, आखिरी कारोबारी दिन के पिछले 24 घंटों में चांदी की कीमतों में 2,356 रुपए की बढ़ोतरी हुई और चांदी ने 1,10,290 रुपए प्रति किलोग्राम का नया रिकॉर्ड बनाया। चांदी ने 18 जून को दर्ज 1,09,550 रुपए के पिछले सर्वकालिक उच्च स्तर को तोड़ दिया।

वैश्विक स्तर पर भी कीमती धातुओं में तेजी देखी गई। सोना 1.01 प्रतिशत बढ़कर 3,358 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी 2.92 प्रतिशत बढ़कर 38.40 डॉलर प्रति औंस हो गई। विश्लेषक वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और व्यापार शुल्कों को लेकर नई चिंताओं को सोने जैसी सुरक्षित निवेश परिसंपत्तियों की ओर रुझान का मुख्य

राजधानी

■ RNI No.CHHHIN/ 9479/2002 ■ Postal Regn No./RYPDN/11/2014-16 अम्बिकावाणी

रायपुर, रविवार 13 जुलाई, 2025 | 8

15 जुलाई से फिर चलेंगी 13 लोकल मेमू और डेमू पैसेंजर ट्रेनें

रायपुर। कोरोना काल में सुरक्षा कारणों से बंद की गई 13 लोकल मेमू और डेमू पैसेंजर ट्रेनों का संचालन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 15 जुलाई से फिर से शुरू करने जा रहा है। जिसका लाभ दुर्ग, राजनांदगांव, गोंदिया, कटंगी, रायपुर, डोंगरगढ़ और बालाघाट समेत छोटे-बड़े स्टेशनों पर यात्रा करने वाले यात्रियों को फिर से मिलेगी। दपूमरे के अधिकारियों ने बताया कि 15 जुलाई से गोंदिया-कटंगी, रायपुर-डोंगरगढ़, रायपुर-गेवरा रोड, तूमसर रोड-बालाघाट समेत 13 लोकल मेमू और डेमू पैसेंजर ट्रेनें फिर से पटरियों पर लौट रही है। 17 जुलाई तक सभी रूटों पर संचालन पूरी तरह बहाल कर दिया जाएगा। इन ट्रेनों के संचालन से कम किराये में यात्रा का विकल्प फिर से खुलेगा और यात्रियों को निजी वाहनों या बसों पर निर्भरता कम करनी पड़ेगी। साथ ही विद्यार्थियों और नौकरीपेशा लोगों की आवाजाही भी सुगम हो सकेगी।

न्यूज गैलरी

शर्मा ने राहुल गांधी के बयान पर कहा, सरकार किसी एक परिवार के माध्यम से चलती है

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए राहुल गांधी के बयान पर कहा कि ञइनका(कांग्रेस पार्टी) अनुभव ऐसा ही है। इन्हें लगता है कि सरकार किसी एक परिवार के माध्यम से चलती है... राहुल गांधी जो कह रहे हैं, वह अपने अनुभव के आधार पर कह रहे हैं। भाजपा सरकार जनकल्याण के लिए तीव्र गति से काम करती है।

किसानों की समृद्धि कांग्रेस को बर्दाश्त नहीं हो रही : भाजपा

00 प्रदेश प्रवक्ता व किसान नेता संदीप शर्मा का बैज के कथन पर करारा पलटवार

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता, वरिष्ठ किसान नेता संदीप शर्मा ने कहा है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज प्रेस कॉन्फ्रेंस में खाद-बीज नहीं मिलने का सफेद झूठ बोलकर प्रदेश के किसानों को बरगलाने और अराजकता फैलाने के अघोषित कांग्रेसी एजेंडे को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। श्री शर्मा ने कहा कि प्रदेश में कहीं भी खाद-बीज के लिए किसानों को परेशान नहीं होने देने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली प्रदेश की भाजपा सरकार संकल्पित है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकताओं से लेकर बड़े नेता और पदाधिकारी कदम-कदम पर झूठ बोलने की आदत से बाज नहीं आ रहे हैं। यूरिया और डीएपी खाद को लेकर कांग्रेस बिना वजह मिथ्या प्रलाप कर रही है जबकि अभी प्रदेशभर में नैनो यूरिया ,एनपीके, सुपर फास्फेट, ग्रोमोर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, किसानों को 6 लाख क्विंटल से अधिक प्रमाणित बीज और मांग अनुसार नगदी कृषि ऋण का वितरण किया जा रहा है। इन सब का उपयोग से प्रदेश के किसान कृषि-कार्य को रफ्तार दे रहे हैं। लेकिन कांग्रेसी यह चाहते हैं कि किसानो में भ्रम फैले, किसानों में आशंकाओं के चलते अकारण दहशत और अफरा-तफरी मचे और फिर उस आड़ में कांग्रेसी अराजकता फैलाकर अपने एजेंडे को आगे बढ़ाएँ। श्री शर्मा ने कहा कि अपने शासनकाल में तो कांग्रेसियों ने किसानों का सुकून छीन ही रखा था, अब सत्ता से उखाड़ फेंक दिए जाने के बाद भी कांग्रेसी किसानों की खुशी और उनका हित नहीं चाहते हैं और बेवजह के झूठ बोलकर के भ्रामक वातावरण निर्मित करना चाहते हैं। लेकिन कांग्रेस अपनी इस बदनीयती में कतई सफल नहीं होगी। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बैज को यह कतई नहीं भूलना चाहिए कि भूपेश सरकार ने किसानों को बदहाल करने का पूरा सिलसिला चला रखा था। किसानों को कांग्रेस ने अपने शासनकाल में केवल छला। कांग्रेस की भूपेश सरकार ने दो साल का बोनस नहीं दिया, धान का पैसा चार-चार किश्तों में रुला-रुलाकर किसानों को दिया, बारदाने तक की कमी थी, ठीक से धान खरीदी तक नहीं कर रहे, रकबा कटौती, धान जप्ती, नकली कीटनाशक से फसल को होने वाली क्षति से परेशान सैकड़ों किसानों ने कांग्रेस के शासनकाल में आत्महत्या की। शर्मा ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसानों को उचित समर्थन मूल्य दे रहे हैं, फसल बीमा योजना दे रहे हैं, किसान सम्मन निधि दे रहे हैं। इसी प्रकार प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में किसानों की समृद्धि के द्वार खुले हैं। भाजपा ने सत्ता में आते ही वादे के मुताबिक 25 दिम्बर को 2 साल का बकाया बोनस दिया। प्रदेश सरकार 31सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर पर किसान से 21 क्विंटल प्रति एकड़ के हिसाब से धान खरीद रही है और धान की राशि एकमुश्त किसानों के खाते में जमा हो रही है।

जीवन में सफलता के लिए शिक्षा है मजबूत आधार : मुख्यमंत्री

00 छत्तीसगढ़ ने शिक्षा के क्षेत्र में हासिल किया नया मुकामःनई शिक्षा नीति से बदली तस्वीर, छत्तीसगढ़ में स्थानीय भाषाओं में मिल रही शिक्षा
00 मुख्यमंत्री ने पीएसवाय उत्कृष्टता सम्मान समारोह में प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित पीएसवाय उत्कृष्टता सम्मान समारोह में विभिन्न विधाओं के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्कूलों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने सभी सम्मानित शिक्षकों, विद्यार्थियों और संस्थाओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र सेवा का मार्ग है। शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है, और यही किसी भी राष्ट्र की प्रगति की नींव होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता का मूल आधार शिक्षा ही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ अब अपने रजत जयंती वर्ष में प्रवेश कर चुका है और बीते वर्षों में राज्य ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। जहां पहले प्रदेश में केवल एक मेडिकल कॉलेज था, आज वहां 15 से अधिक मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहे हैं। साथ ही, आईआईटी, एनआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थान भी राज्य में कार्यरत हैं। गांव-गांव में स्कूल खोले गए हैं, और बच्चों की आवश्यकताओं के अनुरूप महाविद्यालयों की स्थापना की गई है।

उन्होंने कहा कि हमारे समय में कई गांवों के बच्चों के लिए केवल एक स्कूल होता था। मुझे याद है कि मैंने पांचवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा दूसरे गांव में दी थी, क्योंकि हमारे गांव में परीक्षा केंद्र नहीं था। आज छत्तीसगढ़ में छात्रों के लिए असीम अवसर मौजूद हैं और प्रत्येक बच्चे को इन अवसरों का लाभ उठाकर अपने लक्ष्यों की ओर आगे बढ ?ा चाहिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश 'विकसित भारतइ के लक्ष्य की दिशा में निरंतर अग्रसर है, और इसी संकल्प को लेकर हम विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में भी तेज गति से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश ने वैश्विक स्तर पर सम्मान प्राप्त किया है और भारत पुनः विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है।

श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार नई शिक्षा नीति को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 में देश में लागू की गई नई शिक्षा नीति के तहत छत्तीसगढ़ में शिक्षा अब स्थानीय भाषाओं में भी उपलब्ध हो रही है। बस्तर जैसे क्षेत्रों में अब स्थानीय भाषाओं में पढ़ाई करवाई जा रही है, और प्रदेश में मेडिकल की शिक्षा भी हिंदी में दी जा रही है।

रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने संस्था द्वारा सम्मानित प्रतिभावान छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प में इन बच्चों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने में हमारे युवाओं का योगदान निर्णायक सिद्ध होगा।

विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि संस्था का उद्देश्य न केवल प्रतिभाशाली छात्रों को सम्मानित करना है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही प्रतिभाओं को भी एक मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत विद्यार्थियों को विभिन्न भाषाओं में पारंगत बनाने की दिशा में ठोस कार्य प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने छत्तीसगढ़ में शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों की भी सराहना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कलाकारों को भी सम्मानित किया। इस दौरान वरिष्ठ चित्रकार श्री राज सैनी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को एक विशेष उपहार के रूप में उनके प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ की पेंटिंग भेंट की। कार्यक्रम में पीएसवाय के प्रेसिडेंट डॉ. एस.के. मिश्रा, सलाहकार श्री महेंद्र गुप्ता, सीईओ श्रीमती शुभ्रा शुक्ला, सहित अनेक प्रबुद्धजन, शिक्षाविद्, गणमान्य अतिथि, एवं स्कूली छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

छोटे व्यापारियों को मिलेगा प्रोत्साहनः दस साल से अधिक लंबित 25 हजार रुपये तक की वैट देनदारियां खत्म होंगी

00 40 हजार से अधिक व्यापारियों को मिलेगा लाभ, 62 हजार से अधिक मामलों में मुकदमेबाजी कम होगी
00 मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर संशोधन विधेयक का प्रारूप हुआ अनुमोदित

रायपुर। छत्तीसगढ़ में छोटे व्यापारियों को अपना व्यवसाय आसानी से करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य सरकार छोटे व्यापारियों के 10 साल से अधिक लंबित पुराने मामलों में 25 हजार रुपये तक की वैट देनदारियों को खत्म करने जा रही है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में इज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत जीएसटी प्रावधानों में भी कई संशोधन किए जाएंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ माल एवं सेवा कर संशोधन विधेयक और छत्तीसगढ़ बकाया कर, ब्याज एवं शास्ति के निपटान संशोधन विधेयक 2025 के प्रारूप का अनुमोदन कर दिया गया है। इन दोनों विधेयकों को विधानसभा के मानसून सत्र में पटल पर रखा जाएगा। 10 साल से अधिक पुराने 25 हजार रुपये तक की वैट देनदारियों को खत्म करने से राज्य के लगभग 40 हजार से अधिक व्यापारियों को फायदा मिलेगा। इसके साथ ही 62 हजार से अधिक

मुकदमों के मामले भी कम हो जाएंगे।

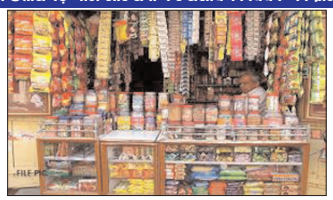

मुख्यमंत्री श्री साय की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ माल एवं सेवा कर संशोधन विधेयक के प्रारूप का भी अनुमोदन किया गया। इस प्रारूप में जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुरूप संशोधन प्रस्तावित किए गए हैं। किए गए प्रस्ताव के अनुसार इनपुट सर्विस डिस्ट्रीब्यूटर्स द्वारा आईजीएसटी में लिए गए आरसीएम का वितरण भी अब अपने ब्रांच ऑफिस में किया जा सकेगा। इससे जीएसटी अधिनियम में विसंगति को दूर करने में मदद मिलेगी और व्यापारियों को इज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत कारोबार करने में आसानी होगी।

एक अन्य संशोधन प्रस्ताव अनुसार, ऐसे पेनाल्टी की राशि जिनमें टैक्स की डिमांड सम्मिलित नहीं होती है, उन प्रकरणों में अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक पूर्व डिपॉजिट 20 प्रतिशत राशि को घटाकर 10 प्रतिशत किया गया है। यह निर्णय व्यापार जगत को सहूलियत देने वाला साबित होगा। जीएसटी प्रणाली में वाउचर पर करदेयता के संबंध में स्थिति स्पष्ट करते हुए टाइम ऑफ सप्लाई के प्रावधान को विलोपित किया गया है। इस संबंध में विभिन्न एडवांस रूलिंग अथॉरिटी में मतभिन्नता थी, अतः एकरूपता के प्रयोजन से यह संशोधन लाया गया।

कैपेसिटी बेस्ड टैक्सेशन एवं स्पेशल कंपोजिशन लेवी विषय पर गठित मंत्री समूह की अनुशंसा के आधार पर डिमेरिट गुड्स जैसे तंबाकू उत्पाद के लिए ट्रेस एंड ट्रैक मैकेनिज्म लागू किया गया है, जिसके द्वारा इन उत्पादों का निर्माण से अंतिम उपभोक्ता तक विक्रय के समूचे सप्लाई चेन की कारगर निगरानी की जा सकेगी। विशेष आर्थिक क्षेत्रों के वेयरहाउस में रखे गए वस्तुओं, जिनके फिजिकल मूवमेंट के बिना कई बार क्रय-विक्रय संव्यवहार किया जाता है, ऐसे मामलों में ऐसे संव्यवहारों को जीएसटी की परिधि से बाहर रखने के लिए संशोधन लाया गया है, जिससे विशेष आर्थिक क्षेत्रों को और अधिक बढ़ावा दिया जा सके।

सावन महोत्सव में दिखा छत्तीसगढ़ी दम, रस्सी कूद में प्रियंका, गेड़ी में अनीता, टायर गेम में कौशल्या बनीं स्टार

रायपुर। सांस्कृतिक विवेकानंद उत्कर्ष परिषद द्वारा आयोजित 11वां सावन के मड़ई 2025 राजधानी के अभिनंदन पैलेस में पूरे पारंपरिक उत्साह, सांस्कृतिक रंगों और जनभागीदारी के साथ सफलतापूर्वक हुआ। यह महोत्सव छत्तीसगढ़ी परंपरा और उत्सवधर्मिता का एक जीवंत उदाहरण रहा, जिसमें बड़ी संख्या में शहरवासियों की सहभागिता देखी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ परिषद की अध्यक्ष दीप्ति दुबे के प्रेरक स्वागत भाषण से हुआ। इसके पश्चात नीलिमा शर्मा और मोनिका मिश्रा द्वारा अतिथियों को मेमेंटो प्रदान कर उनका अभिनंदन किया गया। खेल आयोजनों का संचालन गुंजन शर्मा एवं नेहा शर्मा के कुशल नेतृत्व में हुआ। मंच से आरजे अनिमेष ने मानसिक स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील और प्रासंगिक विषय पर एक संक्षिप्त लेकिन सारगर्भित वक्तव्य दिया। वहीं सावन क्वीन प्रतियोगिता की निर्णायक के रूप में अंकिता शर्मा ने अपनी भूमिका निभाई। अंत में, परिषद के सचिव सौरभ तिवारी ने सभी आगंतुकों और सहभागियों का आभार प्रकट किया। **खेल के विजेता इस प्रकार रहीः** रस्सी कूद प्रतियोगिताः प्रियंका तिवारी,जे. पदमा,गिल्ली डंडाः ज्योति शुक्ला, लता साहू,गेड़ी दौड़ः अनीता देवांगन, अनिमेष शुक्ला,टायर दौड़ प्रतियोगिताः कौशल्या, चम्मच दौड़ः सपना शर्मा, नीलिमा मिश्रा। इस आयोजन को सफल बनाने में परिषद के सक्रिय सदस्यों—दीप्ति दुबे, नीलिमा शर्मा, मोनिक मिश्रा, गुंजन शर्मा, सुभाष तिवारी, सौरभ तिवारी, शैलेन्द्र दुबे, आर्य दुबे, आरजे अनिमेष, सागर, मनीष तिवारी, जिनेन्द्र, माया दीवान और सुषमा शुक्ला—का विशेष योगदान रहा। संरक्षक डॉ. अशोक भट्टर, सचिव सौरभ तिवारी तथा अध्यक्ष दीप्ति दुबे के मार्गदर्शन में संपन्न यह उत्सव सावन की पारंपरिक गरिमा को समकालीन संदर्भ में जीवंत करता नजर आया। पारंपरिक खेलों में महिलाओं और युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने कार्यक्रम में नई ऊर्जा का संचार किया।

आंगनबाडियों में घटिया सामान की आपूर्ति, छह सप्लाई एजेंसियां ब्लैक लिस्टेड

00 राज्य स्तरीय जांच समिति ने सौंपी जांच रिपोर्ट, गुणवत्ताहीन सामान बदलवाए गए

रायपुर। आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों और महिलाओं के लिए भेजी गई सामग्रियों की गुणवत्ता पर उठे सवालों पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने त्वरित और सख्त रुख अपनाया। मंत्री श्रीमती राजवाड़े के निर्देश पर राज्य स्तरीय जांच समिति का गठन किया गया। जिसमें संयुक्त संचालक (वित्त), सीएसआईडीसी और जीईसी रायपुर के तकनीकी प्रतिनिधि, संबंधित जिलों के जिला कार्यक्रम अधिकारी, सहायक संचालक (आईसीडीएस) और दो तकनीकी निरीक्षण एजेंसियों एसजीएस इंडिया और आईआरक्लास सिस्टम्स के विशेषज्ञ शामिल थे। समिति ने सभी जिलों में सामग्री की गुणवत्ता का भौतिक परीक्षण कर अपनी रिपोर्ट संचालनालय को सौंप दिया।

रिपोर्ट के आधार पर दोषी प्रदायकताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए छह सप्लायरों मेसर्स नमो इंटरप्राईजेस, मेसर्स आयुष मेटल, मेसर्स अर्बन सप्लायर्स, मेसर्स मनीधारी सेल्स, मेसर्स ओरिएंटल सेल्स, मेसर्स और सोनचिरिया कॉर्पोरेशन एजेंसियों को जेम पोर्टल से ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है, भविष्य में ये एजेंसिया किसी भी प्रकार की सामग्रियों की शासकीय सप्लाई भी नही कर पाएगी। विभाग द्वारा इन सभी से घटिया सामग्रियों को वापस मंगाकर मानकों के अनुरूप सामग्री की आपूर्ति कराई गई है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत यह कार्रवाई राज्य सरकार की दृढ़

प्रशासनिक इच्छाशक्ति और पारदर्शिता का स्पष्ट प्रमाण है। मुख्यमंत्री स्वयं बार-बार यह दोहरा चुके हैं कि बच्चों, महिलाओं और गरीबों के हितों से कोई समझौता नहीं होगा। महिला एवं बाल विकास विभाग ने स्पष्ट किया है कि वर्ष 2024-25 में कुल 23.44 करोड़ रुपये की सामग्री जेम पोर्टल के माध्यम से खरीदी गई थी। कुछ मीडिया रिपोर्टों में इसे 40 करोड़ रुपये बताया जा रहा है, जिसे विभाग ने एक सिरे से खारिज कर दिया है। विभाग ने बताया कि पूरी क्रय प्रक्रिया पारदर्शी रही और सभी सामग्रियों की सप्लाई से पहले और सप्लाई के बाद गुणवत्ता जांच कराई गई।

राज्य स्तरीय जांच समिति द्वारा रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जशपुर, सरगुजा और जांजगीर-चांपा जिलों में जाकर प्रदाय की गई सामग्रियों का गहन निरीक्षण किया गया। समिति की रिपोर्ट में सामने आया कि कुछ टेबल स्थानों पर असेंबल नहीं हुए थे, जिन्हें बाद में सही कराया गया। अनाज कोठी भारतीय मानक (बीआईएस) के अनुरूप नहीं मिलने पर मेसर्स नमो इंटरप्राइजेस और आयुष मेटल से सामग्री बदली गई और दोनों को जेम से प्रतिबंधित किया गया। स्टील ट्रे की साइज और वजन में भिन्नता पर मेसर्स अर्बन सप्लायर्स, मनीधारी सेल्स व ओरिएंटल सेल्स से रिप्लेसमेंट कराया गया। तवा की गुणवत्ता कम मिलने पर मेसर्स सोनचिरैया कॉर्पोरेशन को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया। कढ़ाई हल्की वजन भिन्नता को छोड़कर अधिकांश मापदंडों पर ठीक पाई गई। अन्य सामग्रियां जैसे अलमारी, कुकर, चम्मच व गिलास अधिकतर स्थानों पर मानकों के अनुरूप पाई गईं।

महिला एवं बाल विकास विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसी भी खराब सामग्री के लिए ऐजेंसियों को कोई भुगतान नहीं किया गया है। विभाग की नीति के तहत भुगतान केवल गुणवत्ता परीक्षण के बाद ही होता है, जिससे प्रदायकताओं की मनमानी की कोई गुंजाइश नहीं रहती। सभी दोषपूर्ण सामग्रियों को वापस लेकर मानक सामग्री दी जा चुकी है।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने इस पूरे मामले पर कहा, ञबच्चों और महिलाओं से जुड़ी सेवाओं में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। हमने तत्परता और पारदर्शिता के साथ जांच पूरी कर दोषियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई की है। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है कि आंगनबाड़ी केन्द्रों तक केवल सुरक्षित, मजबूत और गुणवत्तापूर्ण सामग्री ही पहुंचे।

टीवी से भी ज्यादा खतरनाक है आठ घंटे कुर्सी पर बैठना

00 छाती और टीवी रोग पर दो दिवसीय सेमीनार में विशेषज्ञों ने रखे अपने विचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के लोगों में बीमारियों के प्रति जानकारी नहीं होने के कारण वे किसी भी डॉक्टर के पास चले जाते है और दवाईयां लेकर कुछ दिन आराम मिलने के बाद वे फिर से तकलीफों का सामना करते है। हर बीमारी के छत्तीसगढ़. में डॉक्टर है बस उन्हें सही जानकारी और सलाह की जरुरत है। इसी तरह से देश के साथ-साथ छत्तीसगढ़ में भी छाती और टीवी के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ते जा रही है। सबसे ज्यादा टीवी के मरीज अभी वर्तमान समय में सामने आ रहे इसका मुख्य कारण अधिक शराब या सिगरेट पीना नहीं बल्कि सही समय पर इलाज नहीं मिल पाना है। केंद्र सरकार ने निजी अस्पतालों और मेडिकल स्टोर में टीवी की दवाईयों की बिक्री पर रोक लगा दी है क्योंकि कोई भी मेडिकल स्टोर में जाकर इन दवाईयों को खरीदकर खा रहे थे, जबकि इसे 3 या 6 महीने के लिए ही मरीजों को दिया जाता है, अब यह दवाईयां सिर्फ सरकारी अस्पतालों में ही मिल रहा है। उक्त बातें अडवांस्ड और बड़ा छाती रोग और टीबी पर दो दिवसीय सेमीनार में पहुंचे मध्य भारत के छाती व टीबी रोग विशेषज्ञों ने पहले

दिन व्यक्त किए।

उन्होंने बताया कि अगर बात टीवी की करेंगे तो टीवी से ज्यादा खतरनाक बीमारी हमारे शरीर में वह आठ घंटे है जब हम काम करने के लिए कुर्सी पर बैठते है। एक बार कुर्सी पर बैठ गए तो उठने का नाम ही नहीं लेते है इसके कारण हमारा शरीर कमजोर हो जा रहा है और हमारी प्रतिरोधक क्षमता घटते जा रही है। प्रतिरोधक क्षमता घटने के कारण जो कभी सिगरेट, बीड़ी, तंबाखू, गुड़ाखू को हाथ नहीं लगाया है वह भी टीबी से ग्रसित हो सकता है क्योंकि उसके शरीर में प्रतिरोधक क्षमता कम हो रहा है।

विशेषज्ञ डॉक्टरों ने बताया कि छाती में दर्द होने पर या तो हम किसी लोकल डॉक्टर के पास जाते है और मेडिकल स्टोर में जाकर दवाई ले लेते है। इस दौरान कुछ देर के लिए तो हमें आराम मिल जाता है लेकिन यह हमेशा के लिए नहीं, इसके लिए छत्तीसगढ़ में 100 से अधिक छाती रोग विशेषज्ञ डॉक्टर है उनसे आप मिलकर सलाह ले सकते है। आज के सेमीनार में एम्स रायपुर, सीएमसी वेल्लोर की हेड आफ डीप्रैटकेंट एंड प्रोफेसर डा. रीचा गुप्ता, एसजीपीजीआई के एडिशनल प्रोफेसर डा. मानसी गुप्ता, मुंबई हॉस्पिटल के डा. प्रतिभा सिंघल हैदराबाद अपोलो अस्पताला के डा. विजय चेनमजेटी, यशोदा हॉस्पिटल के डॉ. विश्वेश्वरन बालासुब्रमण्यम, बाल शुभमनियम, नई दिल्ली से डा. प्रणव और डा. नितेश गुप्ता, पंजाब भटिंडा से डा. सरणजीत भूल्लर के अलावा छत्तीसगढ़ चेस्ट सोसायटी के डा. विवेकन पिल्लई, डा. गिरीश अग्रवाल, डा. अविनाश चतुर्वेदी और डा. रोशन राठौर उपस्थित थे।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा निर्माण ऑफसेट, आदर्श नगर डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड (मोवा थाना के सामने) मोवा रायपुर से मुद्रित कर वेलकम टॉवर, शंकर नगर फ्लैट नम्बर बी-1 से प्रकाशित ■ प्रधान संपादक -महेन्द्र सिंह टुटेजा, प्रबंध संपादक - नरेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ Email- raipurambikavani@gmail.com